दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

मोहनलाल की दृश्यम 3 के आते ही ...8

सिद्धार्थनगर
रविवार , 24 मई 2026
वर्षः 13 अंक : 155 पृष्ठः 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित ।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

पीएम मोदी ने बांटे 51,000 से ज्यादा नियुक्ति पत्र

अब तक 12 लाख युवाओं को मिला सरकारी नौकरी का तोहफा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 19वें रोजगार मेले के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए नए भर्ती हुए उम्मीदवारों को 51,000 से ज़्यादा नियुक्ति पत्र बांटे। यह रोजगार मेला देश भर में 47 जगहों पर एक साथ आयोजित किया गया था। यह केंद्र सरकार की चल रही भर्ती मुहिम का हिस्सा है, जिसका मकसद युवाओं के लिए रोजगार के मौके पैदा करना है।

नए भर्ती हुए लोग अहम सरकारी विभागों में शामिल हुए: चुने गए उम्मीदवारों को केंद्र सरकार के कई मंत्रालयों और विभागों में नियुक्त किया गया है। इनमें रेलवे, गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, उच्च शिक्षा और वित्तीय सेवाएँ वगैरह शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि भर्ती हुए लोगों को देश के अलग–अलग हिस्सों से चुना गया है। अब वे अलग–अलग सरकारी दफ्तरों और संगठनों में अपना काम शुरू करेंगे। इस कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने नए नियुक्त उम्मीदवारों को संबोधित भी किया। उन्होंने रोजगार पैदा करने और युवाओं को सशक्त बनाने पर सरकार के जोर के बारे में बात की। कार्यक्रम से पहले, प्रधानमंत्री ने कहा था कि सरकार युवाओं के भविष्य को मजबूत करने और नियमित भर्ती मुहिमों के जरिए ज़्यादा मौके पैदा करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। च्ड मोदी ने एक्स पर हिंदी में एक पोस्ट में कहा, ष्देश भर में हमारे युवा साथियों के उज्ज्वल भविष्य और सशक्तिकरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता अटूट है। इसी दिशा में, कल सुबह 11 बजे, मैं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए एक और रोजगार मेले में हिस्सा लूँगा। वहाँ मुझे अलग–अलग सरकारी विभागों के लिए युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपने का सौभाग्य मिलेगा।ष

अब तक लगभग 12 लाख नियुक्ति पत्र बांटे जा चुके हैं

सरकार के मुताबिक, जब से यह पहल शुरू हुई है, तब से पूरे भारत में आयोजित 18 रोजगार मेलों के जरिए अब तक लगभग 12 लाख नियुक्ति पत्र बांटे जा चुके हैं। रोजगार मेला कार्यक्रम सरकारी विभागों में भर्ती प्रक्रिया को तेज करने और देश भर के युवाओं को रोजगार के मौके देने के लिए शुरू किया गया था।

वक्त मिले तो व्हाइट हाउस आइए...

मार्को रुबियो के हाथों ट्रंप ने भिजवाया खास मैसेज

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। दोनों वैश्विक नेताओं के बीच यह बेहद अहम बैठक करीब एक घंटे तक चली, जिसमें कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। इस हाई–लेवल मीटिंग की संवेदनशीलता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इसमें पीएम मोदी के साथ विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (छै।) अजीत डोभाल भी विशेष रूप से मौजूद रहे। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने घोषणा की कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निकट भविष्य में व्हाइट हाउस आने का निमंत्रण दिया है। यह घोषणा प्रधानमंत्री मोदी और रुबियो के बीच हुई बैठक के बाद की गई, जिसमें दोनों पक्षों ने भारत–अमेरिका सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। सर्जियो गोर ने मार्को रुबियो का स्वागत किया : आज सुबह, अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने विदेश मंत्री मार्को रुबियो का स्वागत किया और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से एक दूरदर्शी एजेंडा प्रस्तुत किया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, भारत में अपने मित्र ⁄मबल्नइपव का स्वागत करते हुए मुझे गर्व हो रहा है! हमारे सामने एक महत्वाकांक्षी एजेंडा है, जिसमें क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक भी शामिल है, जिसका उद्देश्य अमेरिका–भारत साझेदारी को और भी मजबूत बनाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाना है।

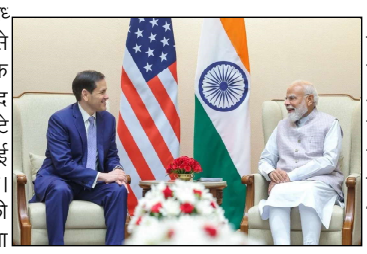

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में फिर लगी आग!

10 दिनों में तीसरी बार बढ़े दाम, दिल्ली में 100 के करीब पहुंचा पेट्रोल

वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में आ रहे भारी उतार–चढ़ाव का असर अब भारतीय उपभोक्ताओं की जेब पर दिखने लगा है। सरकारी तेल कंपनियों ने शनिवार (23 मई 2026) को एक बार फिर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। इस ताजा संशोधन के बाद पेट्रोल के दाम में 87 पैसे प्रति लीटर और डीजल के दाम में 91 पैसे प्रति लीटर का इजाफा किया गया है।

पिछले10 दिनों से भी कम समय में यह तीसरा मौका है जब ईंधन के दाम बढ़ाये गये हैं। उद्योग से जुड़े सूत्रों के अनुसार दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 87 पैसे बढ़कर 98.64 रुपये से 99.51 रुपये प्रति लीटर हो गई है।

वहीं डीजल की कीमत 91 पैसे बढ़कर 91.58 रुपये से बढ़कर 92.49 रुपये हो गई है। पेट्रोल, डीजल के दाम में 15 मई के बाद से यह तीसरी बढ़ोतरी है। सरकारी तेल कंपनियों ने पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण बढ़ी ऊर्जा कीमतों का बोझ धीरे–धीरे उपभोक्ताओं पर डालना शुरू कर दिया है।

पंद्रह मई को कीमतों में 3 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई थी। उसके बाद 19 मई को पेट्रोल और डीजल के दाम 90 पैसे लीटर बढ़ाये गये थे। कुल मिलाकर, ईंधन की कीमतों में लगभग 5 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है।

जम्मू–कश्मीर के राजौरी में भीषण मुठभेड़

2–3 आतंकवादियों के छिपे होने का शक, सुरक्षाबलों ने घेरा

जम्मू–कश्मीर के राजौरी के दोरिमाल जंगलों में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ छिड़ गई। कम से कम 2–3 आतंकवादियों के फंसे होने की आशंका है और बाकी आतंकवादियों की तलाश के लिए तलाशी अभियान जारी है। आतंकवादियों की गतिविधि की सूचना मिलने पर सुरक्षा बलों ने जंगल में तलाशी अभियान चलाया। इसी दौरान आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी की और मुठभेड़ शुरू हो गई। सेना ने किश्तवार से आतंकी नेटवर्क के खात्मे की घोषणा की थीः इस साल फरवरी में भारतीय सेना के व्हाइट नाइट कोर ने किश्तवार से आतंकी नेटवर्क के खात्मे की घोषणा की थी। भारतीय सेना ने सात आतंकवादियों की तस्वीरें पोस्ट की थीं। पोस्ट में लिखा था, ष्326 दिनों के बाद किश्तवार में आतंकी नेटवर्क का खात्मा कर दिया गया है।

पोस्ट में बताया गया था कि मारे गए आतंकवादियों में जैश कमांडर सैफुल्लाह भी शामिल था, जो किश्तवार आतंकी हमले का मास्टरमाइंड था। व्हाइट नाइट कोर ने यह भी कहा था कि उनके अलावा जम्मू –कश्मीर पुलिस, सीआरपीएफ और सेना खुफिया एजेंसी भी किश्तवार में शामिल थीं।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी का पाकिस्तान को कड़ा संदेश

पिछले सप्ताह, इस्लामाबाद को दिए गए एक कड़े सैन्य संदेश में भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि यदि पाकिस्तान आतंकवादियों को पनाह देना और भारत के खिलाफ गतिविधियाँ जारी रखना जारी रखता है, तो उसे यह तय करना होगा कि वह भूगोल या इतिहास का हिस्सा बनना चाहता है या नहीं। मानेकशॉ सेंटर में श्यूनिफॉर्म अनवेल्डश द्वारा आयोजित एक संवाद सत्र में, उनसे पूछा गया कि यदि पिछले वर्ष ऑपरेशन सिंदूर जैसी परिस्थितियाँ फिर से उत्पन्न होती हैं, तो भारतीय सेना क्या प्रतिक्रिया देगी। सेना प्रमुख ने कहा, यदि आपने मुझे पहले सुना है, तो मैंने जो कहा है... वह यह है कि यदि पाकिस्तान आतंकवादियों को पनाह देना और भारत के खिलाफ गतिविधियाँ जारी रखना जारी रखता है, तो उसे यह तय करना होगा कि वह भूगोल या इतिहास का हिस्सा बनना चाहता है या नहीं। श्सेना संवादश नामक इस कार्यक्रम में उनकी ये टिप्पणियाँ देश और भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ मनाने के कुछ दिनों बाद आईं। जनरल द्विवेदी की संक्षिप्त टिप्पणी में पाकिस्तान को एक स्पष्ट संदेश था और उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख को दोहराया।

यूपी में योगी सरकार का बड़ा एक्शन

वक्फ बोर्ड की 31,000 संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन रद्द

उत्तर प्रदेश में वक्फ के रूप में पंजीकृत 31,000 से अधिक संपत्तियों को केंद्र के उम्मीद पोर्टल से हटा दिया गया है। अधिकारियों ने व्यापक सत्यापन अभियान के दौरान प्रस्तुत दस्तावेजों में बड़ी विसंगतियां और तकनीकी खामियां पाईं, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने बताया कि संपत्तियों से जुड़े दस्तावेजों की जांच के बाद पंजीकरण रद्द कर दिए गए हैं। भूमि और स्वामित्व संबंधी विवरणों में विसंगतियों के कारण कई दावों को भी खारिज कर दिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, उम्मीद पोर्टल पर दर्ज 31,328 वक्फ संपत्तियों का पंजीकरण अब तक रद्द किया जा चुका है। इनमें से 31,192 संपत्तियों से संबंधित वक्फ दावों को सत्यापन के बाद खारिज कर दिया गया। यह कार्रवाई राज्य में चल रही वक्फ अभिलेखों की समीक्षा का हिस्सा है, जहां कुल 1,18,302 वक्फ संपत्तियों का दस्तावेजीकरण किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि भूमि और राजस्व अभिलेखों की जांच के दौरान व्यापक अनियमितताएं सामने आने के बाद ये रद्दियां की गईं। कई मामलों में प्रस्तुत दस्तावेजों में उल्लिखित खसरा या भूखंड संख्या वक्फ बोर्ड द्वारा रखे गए अभिलेखों में उपलब्ध विवरणों से मेल नहीं खाती थी।

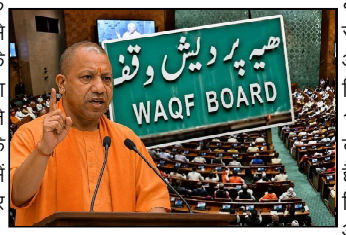

पीएम मोदी पर टिप्पणी पर एफआईआर

कांग्रेस नेता अजय राय का दावा– वीडियो एआई–जनरेटेड है

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे एआई–जनरेटेड वीडियो के परिणामस्वरूप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोपों को खारिज कर दिया। यह विवाद महोबा जिले में राय के खिलाफ बीएनएस अधिनियम की कई धाराओं के तहत दर्ज एफआईआर के बाद सामने आया है। अधिकारियों ने 22 मई को वायरल हुए एक वीडियो के बाद कार्रवाई की, जिसमें राय को एक सभा का नेतृत्व करते हुए दिखाया गया था, जिसने कथित तौर पर सरकारी कामकाज में बाधा डाली और एक सार्वजनिक सड़क को अवरुद्ध कर दिया। सहायक पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह ने कहा कि 22 मई को सोशल मीडिया के माध्यम से हमें एक वीडियो मिला, जिसमें कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय अपने समर्थकों के साथ गैरकानूनी रूप से इकट्ठा होकर सरकारी कामकाज में बाधा डाल रहे हैं और उन्होंने एक सार्वजनिक सड़क भी अवरुद्ध कर दी है। उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां भी कीं। महोबा स्थित कोतवाली पुलिस स्टेशन में शिकायत प्राप्त हुई और कई धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। कार्रवाई की जा रही है। कांग्रेस नेताओं द्वारा अपनाई गई राजनीतिक बयानबाजी की आलोचना करने वाले अधिवक्ता नीरज रावत की औपचारिक शिकायत के बाद एफआईआर दर्ज की गई। इसमें कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान सचिव बृजराज अहिरवार सहित 25 से 30 समर्थकों के नाम शामिल हैं।

खरगे का बीजेपी पर तीखा हमला, जनता की कमाई किश्तों में लूट रही मोदी सरकार

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को ईंधन की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी करने पर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि सत्ताधारी पार्टी आम आदमी की कमाई को किश्तों में लूट रही है। कीमतों में हुई इस नवीनतम बढ़ोतरी पर प्रतिक्रिया देते हुए खर्गे ने कहा कि अतीत में जब अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतें गिरीं, तो केंद्र सरकार ने नागरिकों को इसका पूरा लाभ नहीं दिया। उन्होंने कांग्रेस के इस आरोप को भी दोहराया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समझौते के तहत काम कर रहे हैं। खरगे ने ग पर एक पोस्ट में लिखा कि पेट्रोल की कीमत अब 100 रुपये के पार पहुंच गई है। इस बार तो जनता की कमाई को किश्तों में लूटा जा रहा है!

अयोध्या से इकबाल अंसारी की बड़ी अपील, बकरीद पर गाय की कुर्बानी न दें, भावनाओं का सम्मान करें

अयोध्या के एक प्रमुख व्यक्ति और बाबरी मस्जिद भूमि विवाद में पूर्व याचिकाकर्ता इकबाल अंसारी ने सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए मुस्लिम समुदाय से ईद–उल–अधा (बकरीद) के दौरान गाय की कुर्बानी न करने का आह्वान किया है। अंसारी ने सरकार से गाय को भारत का राष्ट्रीय पशु और राष्ट्रीय धरोहर के रूप में मान्यता देने का भी औपचारिक अनुरोध किया है ताकि गाय से संबंधित हिंसा और भीड़ द्वारा पीट–पीटकर हत्या करने की घटनाओं को रोका जा सके। अपनी इस पहल के बारे में बात करते हुए अंसारी ने देश के सामाजिक ताने–बाने की रक्षा के लिए पड़ोसियों की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यह हमारे राष्ट्र, हिंदू धर्म और इस्लाम से जुड़ा मामला है। ईद अल–अधा के दौरान कुर्बानी इस्लामी परंपराओं का अभिन्न अंग रही है, लेकिन हमें अपने देश के कानूनों का सम्मान करना चाहिए।

पाकिस्तान और बांग्लदेश बार्डर पर बड़े एक्शन की तैयारी में अमित शाह

ला रहे हैं स्मार्ट बार्डर प्रोजेक्ट, घुसपैठ पर लगेगा फुल स्टॉप

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पूर्वी सीमा से होने वाली घुसपैठ को देश की सुरक्षा और जनसांख्यिक संतुलन के लिए गंभीर चुनौती बताते हुए सीमा सुरक्षा बल को सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का स्पष्ट संकल्प है कि अवैध घुसपैठ को पूरी तरह रोका जाए और जो लोग पहले से अवैध रूप से देश में प्रवेश कर चुके हैं, उनकी पहचान कर उन्हें बाहर किया जाए। नई दिल्ली में आयोजित रुस्तमजी स्मृति व्याख्यान में बोलते हुए अमित शाह ने सीमा सुरक्षा बल से कहा कि वह केवल सीमा की निगरानी तक सीमित न रहे, बल्कि स्थानीय प्रशासन, पुलिस और ग्रामीण तंत्र के साथ समन्वय बनाकर घुसपैठियों और उनके मार्गों की पहचान करे।

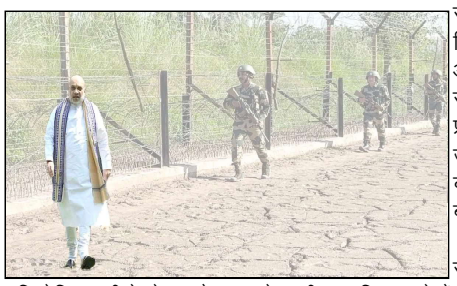

गृह मंत्री ने कहा कि पूर्वी सीमा के पार से सुनियोजित तरीके से घुसपैठ कर देश की प्राकृतिक जनसांख्यिक संरचना को बदलने की कोशिश की जा रही है। इसे रोकने के लिए एक संगठित और स्थायी व्यवस्था विकसित की जाएगी। उन्होंने सीमा सुरक्षा बल को निर्देश दिया कि गांवों के पटवारी, जिला अधिकारी, पुलिस अधीक्षक, खंड विकास अधिकारी और स्थानीय पुलिस के साथ लगातार संपर्क बनाए रखें ताकि नए घुसपैठियों, उनके प्रवेश मार्गों और तस्करी से जुड़े गिरोहों की जानकारी समय रहते प्राप्त हो सके। सरकार का उद्देश्य इन सभी मार्गों को व्यवस्थित रूप से बंद करना है।

अमित शाह ने कहा कि अगले वर्ष सीमा सुरक्षा बल की स्थापना के साठ वर्ष पूरे होने जा रहे हैं और इस अवसर पर बांग्लादेश तथा पाकिस्तान सीमा को आधुनिक तकनीक से लैस ष्स्मार्ट सीमाष में बदला जाएगा। इस योजना के तहत ड्रोन, रडार, स्मार्ट कैमरे और अन्य उन्नत तकनीकी उपकरणों की सहायता से सीमा पर निगरानी मजबूत की जाएगी। इन प्रणालियों का उपयोग घुसपैठ रोकने के साथ–साथ मादक पदार्थों की तस्करी, पशु तस्करी, नकली भारतीय मुद्रा के प्रसार तथा हथियार और नशीले पदार्थ पहुंचाने वाले ड्रोन की गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए किया जाएगा।

गृह मंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार त्रिपुरा, असम और पश्चिम बंगाल जैसे सीमावर्ती राज्यों में कार्य कर रही है और पार्टी का स्पष्ट मत है कि देश से प्रत्येक घुसपैठिए को बाहर किया जाना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि सीमा सुरक्षा बल को केवल सीमा चौकसी तक सीमित रहने के बजाय एक व्यापक सुरक्षा तंत्र के रूप में काम करना होगा।

चेयरमैन उमा अग्रवाल ने किया रामलीला का शुभारंभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। कस्बा स्थित श्रीराम जानकी मंदिर परिसर में शुक्रवार को भव्य रामलीला कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पंचायत चेयरमैन उमा अग्रवाल ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम के शुभारंभ के साथ ही मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल में गूंज उठा और बड़ी संख्या में श्रद्धालु रामलीला मंचन देखने पहुंचे। जानकारी के अनुसार रामलीला का आयोजन अयोध्या धाम से आए श्रीरामलीला समिति के कलाकारों द्वारा किया जा रहा है। मंचन में भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र, आदर्शों और

मर्यादा को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। कलाकारों की भावपूर्ण प्रस्तुति श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। आयोजक टीम ने बताया कि रामलीला का मंचन 22 मई से 29 मई 2026 तक प्रतिदिन रात्रि 8रू30 बजे से किया जाएगा। इस अवसर पर चेयरमैन उमा अग्रवाल ने कहा कि रामलीला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन त्याग, मर्यादा और सत्य का संदेश देता है, जिससे समाज को प्रेरणा मिलती है। उन्होंने नगरवासियों से परिवार सहित पहुंचकर रामलीला का दर्शन करने की अपील की। कार्यक्रम में व्यापार मंडल अध्यक्ष शैलेन्द्र कौशल, महामंत्री मनोज कुमार गुप्ता, दिलीप वर्मा, महेश कसौधन, राजेन्द्र कुमार कान्दू, सुबास अग्रहरी, शनी मद्धेशिया, सुरेश कसौधन, धर्मेंद्र मद्धेशिया, अधिवक्ता बी०एन० तिवारी, ग्राम प्रधान राम मिलन चौधरी आदि लोग मौजूद रहे।

गर्भवती को उपचार न मिलने के मामले में जांच टीम गठित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शोहरतगढ़ में गर्भवती महिला को उपचार न मिलने और परिजनों द्वारा हंगामा किए जाने के मामले में स्वास्थ्य विभाग ने जांच शुरू कर दी है। शनिवार को खबर प्रकाशित होने के बाद मुख्य चिकित्साधिकारी डा. रजत चौरसिया ने मामले को गंभीरता से लेते हुए दो सदस्यीय जांच टीम गठित कर दी है। सीएमओ द्वारा गठित जांच टीम में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा. प्रमोद कुमार को अध्यक्ष तथा उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. वीएन चतुर्वेदी को सदस्य बनाया गया है। टीम स्थलीय निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट अधिकारियों को सौंपेगी, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। बताया जाता है कि गुरुवार देर रात शोहरतगढ़ कस्बे के छतहरी निवासी सीपी सिंह अपनी गर्भवती परिजन को प्रसव के लिए सीएचसी लेकर पहुंचे थे। पीड़ित के अनुसार चिकित्सक ने गर्भावस्था के दौरान हुई जांच से संबंधित कागजात मांगे। कागजात दिखाने के बावजूद बिना समुचित परीक्षण किए गर्भवती को रेफर कर दिया गया।मामले की सूचना पर सीएचसी अधीक्षक डा. ए.के. आजाद से भी संपर्क किया गया। आरोप है कि अधीक्षक ने अस्पताल पहुंचकर भर्ती कराने का आश्वासन दिया, लेकिन काफी इंतजार के बाद भी वह नहीं पहुंचे। इससे नाराज परिजनों ने अस्पताल परिसर में हंगामा किया। पीड़ित परिवार ने चिकित्सक एवं अधीक्षक पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

पंचायत सहायकों को किया गया प्रशिक्षित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़

ब्लॉक सभागार में पंचायत सहायकों हेतु शनिवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य श्रम विभाग द्वारा संचालित भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की योजनाओं के संबंध में पंचायत सहायकों को जागरूक करना तथा पंजीकरण एवं लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी देना था। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित पंचायत सहायकों को बताया गया कि असंगठित क्षेत्र में कार्य करने वाले श्रमिकों का बीओसीडब्लू बोर्ड में पंजीकरण कराकर उन्हें विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जा सकता है। इस दौरान श्रमिक पंजीकरण की ऑनलाइन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, पात्रता, आवेदन की विधि तथा योजनाओं के लाभों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में अधिकारियों द्वारा पंचायत सहायकों से अपील की गई कि वे अपने–अपने ग्राम पंचायत क्षेत्रों में अधिक से अधिक पात्र श्रमिकों को चिन्हित कर उनका पंजीकरण करवाएं, ताकि जरूरतमंद श्रमिक परिवार सरकार की योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान भी किया गया तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। कार्यक्रम में खंड विकास अधिकारी चंद्रभूषण सिंह, एडीओ पंचायत संजय पटेल, मानव संसाधन में महिला विकास संस्थान से जिला लीड प्रसून शुक्ला, फील्ड ऑफिसर तेज नारायण, श्रम विभाग से अमर जीत पाण्डेय, जिला सलाहकार श्रम विभाग जयप्रकाश, ब्लॉक समन्वयक अमन शर्मा, सपना त्रिपाठी, पंचायत सहायक मनीषा, जयकुमार, एवं संबंधित विभागों के प्रतिनिधि व पंचायत सहायक उपस्थित रहे।

भीम युवा वाहिनी के तत्वाधान में आयोजित हुई शोक सभा, वैज्ञानिक सोच अपनाने का दिया संदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। जिले के थाना लालगंज क्षेत्र अंतर्गत ग्राम थरौली में भीम युवा वाहिनी संगठन के तत्वाधान में एक शोक सभा का आयोजन किया गया। यह सभा संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संदीप गौतम के बड़े भाई दीपक कुमार की सड़क दुर्घटना में हुई असामयिक मृत्यु के उपरांत आयोजित की गई। ज्ञात हो कि 11 मई 2026 को सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद इलाज के दौरान दीपक कुमार का निधन हो गया था। मृतक दीपक कुमार के पैतृक गांव थरौली में आयोजित इस शोक सभा में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों ने भाग लेकर दिवंगत

आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अर्जक समाज के राष्ट्रीय संयोजक गौरी शंकर, अर्जक संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सिद्धनाथ प्रजापति, भीम युवा वाहिनी के प्रमुख सोनू राव तथा उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष अजय राव उपस्थित रहे। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने दीपक कुमार के जीवन, उनके व्यवहार एवं सामाजिक सोच को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। वक्ताओं ने कहा कि बहुजन महापुरुषों के संघर्ष, त्याग और बलिदान का ही परिणाम है कि आज समाज नई सोच और वैज्ञानिक .ष्टिकोण को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने समाज में फैले आडंबरों को समाप्त कर वैज्ञानिक विचारधारा अपनाने का आह्वान किया। उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 22 प्रतिज्ञाओं को दोहराया तथा सभी को सामाजिक जागरूकता एवं समानता के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। अंत में दिवंगत दीपक कुमार की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर सभा का समापन किया गया। इस अवसर पर रोशनी, खुशी, किशन, संगीता, अंकित गौतम, आंसू, रिचा, रिद्धि, बलिराम, रुचि, अयांश अंबेडकर, अंशी अंबेडकर, मनजीत, महिमा, विजय कुमार, संतबली, सरस्वती, भगवान दास, रामरूप, जयराम, माधुरी, शोना, रामतिलक सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

पेट्रोल पंप पर डीजल लेने आए बुजुर्ग बेहोश, मेडिकल कॉलेज रेफर

दैनिक बुद्ध का संदेश

लोटन/सिद्धार्थनगर। कस्बे स्थित एक पेट्रोल पंप पर शनिवार को डीजल लेने आए एक बुजुर्ग अचानक बेहोश होकर गिर पड़े, जिससे मौके पर अफरा–तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार मैनहिया निवासी राम प्रसाद (62 वर्ष) डीजल लेने के लिए सुबह से लाइन में खड़े थे। करीब तीन बजे अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश होकर गिर पड़े। परिजनों द्वारा उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लोटन ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद भी स्थिति सामान्य न होने पर चिकित्सकों ने उन्हें माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

जबरिया विवादित जमीन में नाली निर्माण रोकने की मांगः विरोध करने पर दबंगों ने पत्नी को मारा पीटाः छीन लिया मंगलसूत्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के बडकुईयां गांव में जमीनी विवाद में मार पीट और रामवृक्ष की पत्नी का मंगलसूत्र छीन लिये जाने का मामला सामने आया है। इस सम्बन्ध में रामवृक्ष पुत्र रामबहोर ने वाल्टरगंज पुलिस को लिखित सूचना देकर मामले में न्याय की गुहार लगाया है। वाल्टरगंज पुलिस को दिये पत्र में रामवृक्ष ने कहा है कि ग्राम प्रधान राम सुभाव, राम जी, बिन्द्रावती देवी पत्नी धर्मराज, मीरा देवी पत्नी लालजी, प्रेमा देवी पत्नी रामजी, रामजी पुत्र रामपियारे व अन्य के बीच जमीनी विवाद चल रहा है। तथा उसी के संबंध में सिविल जज जू०डि० वाद सं0 242 के यहां लम्बित भी है फिर भी विपक्षी राम सुभाव व अन्य उसी विवादित जमीन में नाली निर्माण कराना चाह रहे हैं । 21 मई को राम सुभाव व अन्य सहयोगियों ने विवादित जमीन पर धावा बोल दिया और उसकी पत्नी को मारा पीटा, गले में पहने हुये मंगलसूत्र को छीन ले गये । वाल्टरगंज पुलिस इस प्रकरण में गत 11 फरवरी को धारा 126,135 की कार्यवाही भी कर चुकी है फिर भी राम सुभाव व उनके सहयोगी आदि आमादा फौजदारी हैं। रामवृक्ष ने पत्नी के छीने गये मंगलसूत्र को दिलाने के साथ–साथ निर्माण कार्य रूकवाने की मांग किया है।

लोकायुक्त का डबल वारः डीआईओएस पर मण्डल स्तरीय जांच, परीक्षा केन्द्र से एरियर तक खुलेंगे खेल के राज

कुशीनगर। जिला विद्यालय निरीक्षक श्रवण कुमार गुप्त के खिलाफ चल रही लोकायुक्त जांच अब और भी पेचीदा मोड़ पर पहुंच गई है। जिन आरोपों को अब तक मैनेज कर दबा देने की चर्चाएं चल रही थीं, वही शिकायतकर्ता ने समय रहते लोकायुक्त के समक्ष आपत्ति दर्ज कराकर डीआईओएस के मैनेज का पूरा खेल बिगाड़ दिया है। बताया जाता है कि शिकायतकर्ता की आपत्ति के बाद लोकायुक्त ने मामले को गंभीर मानते हुए सीधे मण्डलायुक्त को हस्तक्षेप करने का निर्देश दे दिया है।

बतादे कि लोकायुक्त कार्यालय से पहले जारी पत्र 68–2026/06 दिनांक 8 अप्रैल 2026 में जिलाधिकारी कुशीनगर की अध्यक्षता में त्रिसदस्यीय जांच समिति गठित कर जांच कराने के निर्देश दिए गये थे। इसमें एक वित्त एवं लेखाधिकारी तथा एक शिक्षा विभाग के अधिकारी को शामिल करने को कहा गया था। निर्देश के अनुपालन में जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने एसडीएम पडरौना की अध्यक्षता में जांच टीम गठित कर दी, जिसमें ट्रेजरी अफसर और बीएसए को शामिल किया गया। लेकिन शिकायतकर्ता वीरेन्द्र सिंह ने इस जांच पर ही सवाल खड़ा कर दिया। उनका आरोप था कि स्थानीय स्तर पर जांच होने से मामले की निष्पक्षता प्रभावित हो सकती है और पूरे प्रकरण को मैनेज कर लीपापोती करने की कोशिश की जा सकती है। लिहाजा शिकायतकर्ता की आपत्ति को लोकायुक्त ने संज्ञान लिया और शिकायतकर्ता की ओर से प्रस्तुत दस्तावेजों, सीडी और अभिलेखों को गंभीरता से लेते हुए सचिव लोकायुक्त उत्तर प्रदेश डॉ. रीमा बंसल ने मण्डलायुक्त गोरखपुर को नया निर्देश जारी किया है। पत्र संख्या 68–2026/08/4673(2)दिनांक 12 मई 2026 में स्पष्ट कहा गया कि कुशीनगर से भिन्न जिले के वरिष्ठ अधिकारियों की तीन सदस्यीय जांच समिति गठित कर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और 3 जून 2026 तक रिपोर्ट लोकायुक्त को उपलब्ध कराई जाए। इतना ही नहीं लोकायुक्त ने यह भी निर्देश दिया कि शिकायत कर्ता को अपना पक्ष रखने और साक्ष्य प्रस्तुत करने का पूरा अवसर दिया जाए। यानी इस बार जांच सिर्फ फाइलों में नहीं, बल्कि सीधे तथ्यों और दस्तावेजों के आधार पर होगी।लोकायुक्त के इस आदेश के बाद डीआईओएस कार्यालय में खलबली मच गई है। प्रशासनिक गलियारों में चर्चा है कि अब मामला सामान्य विभागीय जांच से कहीं आगे निकल चुका है।

डीआईओएस पर आरोपों की लंबी फेहरिस्त–– दरअसल जिला विद्यालय निरीक्षक श्रवण कुमार गुप्त पहले से ही कई गंभीर आरोपों में घिरे हुए हैं। फर्जी नियुक्तियों को संरक्षण देने, बिना कार्य किए लाखों रुपये एरियर भुगतान कराने,नियम विरुद्ध विनियमितीकरण और चयन वेतनमान का लाभ दिलाने,मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायतों की कथित लीपापोती करने और पद का दुरुपयोग कर अकूत संपत्ति अर्जित करने जैसे आरोप पहले ही लोकायुक्त जांच का हिस्सा हैं। कप्तानगंज स्थित कनोडिया इंटरमीडिएट कॉलेज का मामला इस पूरे विवाद का सबसे बड़ा केंद्र बन चुका है। आरोप है कि सहायक अध्यापक देवेन्द्र पाण्डेय, श्याम नरायण पाण्डेय और विरेन्द्र पाण्डेय को दो वर्षों तक बिना कार्य किए लाखों रुपये एरियर के रूप में भुगतान कराया गया। इसके अलावा देवेन्द्र पाण्डेय पर कथित रूप से तथ्य गोपन कर फर्जी तरीके से सहायक अध्यापक के पद पर नौकरी करने का आरोप है। डीआईओएस इन मामलों में कार्रवाई करने के बजाय मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर वित्त एवं महा लेखा कार के कथित अधूरे आदेश का हवाला देकर मामले को निस्तारित दिखाकर पूरे प्रकरण को लीपापोती करने का प्रयास किया।

परीक्षा केन्द्र आवंटन को बनाया ' कमाई का जरिया–– लोकायुक्त मे दर्ज शिकायत में शिकायतकर्ता ने शिक्षा महकमे को कठघरे में खड़ा कर दिया है। आरोप है कि डीआईओएस श्रवण कुमार गुप्त ने बोर्ड परीक्षा केंद्र निर्धारण प्रक्रिया को भी कथित कमाई का जरिया बना दिया। माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा परीक्षा केंद्रों की संख्या घटाए जाने के बावजूद जिले में नियमों और अधिकारों के विपरीत "री–ओपन" तरीके से परीक्षा केंद्र आवंटित किए गए। आरोप है कि यह पूरा खेल मोटी रकम लेकर किया गया और कई ऐसे विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बना दिया गया, जो बोर्ड के निर्धारित मानकों तक पर खरे नहीं उतरते थे। इसके अलावा जिन विद्यालयों में पर्याप्त कक्ष नहीं थे,सीसीटीवी व्यवस्था नहीं थी,सुरक्षा के मानक पूरे नहीं थे, और बोर्ड द्वारा निध ारित संसाधनों का अभाव था,उन्हें भी कथित तौर पर पैसे के बल पर परीक्षा केंद्र का बना दिया गया।इससे न सिर्फ बोर्ड परीक्षा की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हुए, बल्कि पूरे केंद्र आवंटन सिस्टम की पारदर्शिता भी संदेह के घेरे में आ गई।

3 जून पर टिकी निगाहें–– लोकायुक्त द्वारा मण्डल स्तरीय जांच के आदेश के बाद अब पूरा मामला बेहद संवेदनशील हो चुका है। विभाग के भीतर सबसे ज्यादा बेचौनी इस बात को लेकर है कि यदि जांच टीम ने सेवा पुस्तिकाओं, एरियर भुगतान, नियुक्तियों, परीक्षा केंद्र निर्धारण और वित्तीय अनुमोदनों की फाइलों को गंभीरता से खंगाला, तो कई और नाम सामने आ सकते हैं। फिलहाल शिक्षा विभाग में खामोशी जरूर है, लेकिन अंदरखाने में डर साफ महसूस किया जा रहा है।अब सबकी निगाह 3 जून पर टिक गई है, जब जांच रिपोर्ट लोकायुक्त के सामने होगी।क्योंकि इस बार सवाल सिर्फ एक अधिकारी का नहीं, पूरे शिक्षा तंत्र की विश्वसनीयता का है।और अगर आरोपों की पर्त सच साबित हुईं,तो यह सिर्फ भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था के नाम पर खेला गया संगठित खेल माना जाएगा।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश

कुशीनगर,। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता फैलाने हेतु नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान द्वारा चलाए जा रहे पौध ारोपण अभियान के तहत संस्था के सदस्य ऋषिकेश मिश्र ने अपनी वैवाहिक वर्षगाँठ पर धर्मपत्नी विभा मिश्रा के साथ कसया नगर स्थित अपने आवासीय परिसर में पौधरोपण किया। पौधरोपण करते हुए दंपति ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण एवं जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पौधे केवल पर्यावरण को शुद्ध ही नहीं करते, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित एवं स्वस्थ जीवन प्रदान करने का आधार भी बनते हैं। उन्होंने लोगों से जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगाँठ तथा अन्य विशेष अवसरों पर पौध ारोपण करने की अपील किया। संस्था के उपाध्यक्ष इंद्र कुमार मिश्र ने कहा कि पौधरोपण अभियान समाज में सकारात्मक बदलाव ला रहा है तथा लोग अपनी निजी खुशियों को पर्यावरण संरक्षण से जोड़कर प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। इस अवसर पर अवधेश मिश्र, किरन बाला मिश्रा, पूनम मिश्रा, आशुतोष द्विवेदी, सुप्रिया दुबे, मयंक मणि, अभिलाषा मिश्रा, मौली राम मणि त्रिपाठी, श्वेता उपाध्याय, प्रियंका पांडेय, आदित्य मिश्र, आदर्श मिश्र, संस्था सचिव डॉ. हरिओम मिश्र आदि उपस्थित रहे।

25 मई से 10 जून तक होगा निःशुल्क राशन वितरणः जिला पूर्ति अधिकारी

कुशीनगर। खाद्य आयुक्त उ०प्र०, लखनऊ द्वारा जारी निर्देशो के अनुपालन में जनपद के अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी लाभार्थियों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम– 2013 के अन्तर्गत माह जून के सापेक्ष आवंटित खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण दिन आगामी 25 मई से 10 जून तक किया जायेगा।

उक्त जानकारी जिला पूर्ति अधिकारी गोपाल पाण्डेय ने देते हुए बताया कि वितरण से पूर्व उचित दर दुकानों पर उपलब्ध खाद्यान्न का भौतिक सत्यापन जिलाधिकारी द्वारा नामित नोडल अधिकारियों के माध्यम से संबंधित उपजिलाधिकारियों द्वारा कराया जायेगा। साथ ही नोडल एवं पर्यवेक्षणीय अधिकारी अपनी देखरेख में पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से वितरण कार्य सम्पन्न करायेंगे। उन्होंने बताया कि अन्त्योदय राशन कार्ड धारकों को प्रति कार्ड 10 किग्रा गेहूँ एवं 25 किग्रा फोर्टिफाइड चावल, कुल 35 किग्रा खाद्यान्न निःशुल्क वितरित किया जायेगा। वहीं पात्र गृहस्थी राशन कार्डों से सम्बद्ध प्रति यूनिट पर 01 किग्रा गेहूँ एवं 04 किग्रा फोर्टिफाइड चावल, कुल 05 किग्रा खाद्यान्न निःशुल्क प्रदान किया जायेगा। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि खाद्यान्न वितरण में पोर्टेबिलिटी ट्रांजेक्शन की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। जिन उपभोक्ताओं का आधार प्रमाणीकरण किसी कारणवश नहीं हो सकेगा। उनका वितरण की अंतिम तिथि 10 जून को मोबाइल ओ०टी०पी० सत्यापन के माध्यम से निःशुल्क खाद्यान्न वितरित किया जायेगा। समस्त उचित दर विक्रेताओं को निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित अवधि में अपनी दुकानें प्रतिदिन प्रातः 06:00 बजे से रात्रि 09:00 बजे तक खोलकर खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित करेंगे।

24 स्वास्थ्य कर्मी हटाए गए, कार्यवाह सीएमओ डॉ बृजनंदन के कार्यकाल में हुई थी नियुक्ति

कुशीनगर,। स्वास्थ्य विभाग में नियमों को दरकिनार कर आउट सोर्सिंग पर नौकरी पाए 24 सफाई कर्मी और सपोर्ट स्टाफ की सेवाएं समाप्त कर दी गई है।

जिलाधिकारी के निर्देश पर सीडीओ द्वारा तीन सदस्यीय जांच में गड़बड़ी पाए जाने पर नियुक्ति को निरस्त कर दिया गया।

तीन माह पहले पूर्व सीएमओ डॉ सुरेश पटारिया द्वारा 12 अभ्यर्थियों की फर्जी तरीके से नियुक्ति की गई थी। शिकायत पर जिलाधिकारी के आदेश पर सीडीओ के द्वारा तीन सदस्यीय जांच टीम गठित किया गया था, जांच में गलत पाए जाने पर जिलाधिकारी के द्वारा 12 अभ्यर्थियों की नियुक्ति निरस्त कर दिया गया। पूर्व सीएमओ डॉ सुरेश पटारिया और डॉ बृजनंदन पर अभी तक कानूनी कार्यवाही नहीं किया गया जबकि जिलाधिकारी के आदेश पर जांच में फर्जी तरीके से नियुक्तियां किया जाना पाया गया। अब देखना है कि सरकार इन अधिकारियों पर कार्यवाही करती है या निर्दोष कर मुक्त कर देती है। अगर ये फर्जी नियुक्ति आम आदमी करता तो उसके ऊपर एफआईआर कर जेल भेज दिया गया होता।

थाना समाधान दिवस में डीएम व एसपी ने सुनी जनसमस्याएं

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक माह

के द्वितीय एवं चतुर्थ शनिवार को आयोजित होने वाले सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस के तहत शनिवार को थाना चिल्हिया में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने की, जबकि पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन विशेष रूप से उपस्थित रहे। थाना समाधान दिवस में पहुंचे फरियादियों की समस्याओं को जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने राजस्व निरीक्षकों एवं लेखपालों को निर्देशित करते हुए कहा कि भूमि विवाद, वरासत, बंटवारा, नाली विवाद, चकमार्ग तथा अवैध कब्जे से जुड़े मामलों का मौके पर जाकर निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ताओं को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर मामलों का समाधान कराया जाए। जिलाधिकारी ने लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने लोगों से आपसी सौहार्द बनाए रखने और विवादों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने की अपील की। कार्यक्रम में थानाध्यक्ष चिल्हिया, राजस्व निरीक्षक सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बांसी नगरपालिका में नामित सभासदों का शपथ ग्रहण व कांशीराम शहरी आवास प्रमाण पत्र वितरण समारोह भव्यता के साथ संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। आदर्श नगर पालिका परिषद, बांसी में आज एक भव्य और गरिमामयी समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शासन द्वारा नामित नए सभासदों का शपथ ग्रहण संपन्न हुआ, साथ ही श्माननीय कांशीराम जी शहरी आवास योजनाश के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को 71आवास प्रमाण पत्र वितरित किए गए।इस विशेष अवसर पर क्षेत्र के वरिष्ठ राजनेता और जनप्रतिनिधि मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में डुमरियागंज के लोकप्रिय सांसद जगदम्बिका पाल, बांसी के विधायक जय प्रताप सिंह, विधान परिषद सदस्य (डस्ब) ध्रुव कुमार त्रिपाठी और जिला अध्यक्ष दीपक मौर्या ने शिरकत कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।शासन द्वारा नगर पालिका बांसी के लिए मनोनीत किए गए निम्नलिखित सदस्यों का कार्यक्रम के दौरान गर्मजोशी से स्वागत और परिचय कराया गया, जिसके बाद उनका शपथ ग्रहण संपन्न हुआ। सुशीला, राजाराम, मंगल चौरसिया, विरेन्द्र प्रताप, नंदनी श्रीवास्तव, घनश्याम जायसवाल समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथियों और वक्ताओं ने केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों की जमकर सराहना की। वक्ताओं ने नवनियुक्त सभासदों को बधाई देते हुए उनसे क्षेत्र के विकास में अपनी सक्रिय और पूरी निष्ठा के साथ भागीदारी निभाने का आह्वान किया।कार्यक्रम के दूसरे मुख्य चरण में श्माननीय कांशीराम जी शहरी आवास योजनाश के तहत गरीब और जरूरतमंद पात्र लाभार्थियों को जब आवास प्रमाण पत्र सौंपे गए, तो उनके चेहरे खिल उठे। लाभार्थियों ने सरकार की इस पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था के प्रति सहर्ष आभार व्यक्त किया।समारोह में स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में सम्मानित सभासदगण और क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे। इस दौरान मुख्य रूप से प्रभारी एसडीएम विवे विवेकानंद, नगर पालिका अध्यक्ष चमन आरा, ईओ जयप्रकाश सिंह यादव, जमील अहमद,प्रोफेसर के. पी. त्रिपाठी, बजरंगी बर्मा, सोनू जयसवाल,निखिल प्रताप सिंह कुबेर बारी, राजेंद्र त्रिपाठी, अनुपमा सिंह दुवे, चक्रधारी गौतम, संतोष सिंह, विरेन्द्र कुमार,रामसरन मौर्य, धर्मेद्र कुमार, प्रभाष्कर राय, प्रमोद हिंन्दू,सत्यनारायण मौर्य, श्याम बाबू, चंदन गुप्ता, पप्पू भाई उपस्थित रहे।

डीएम ने गुजरौलिया ग्रांट में चक मार्ग का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने तहसील शोहरतगढ़ क्षेत्र के ग्राम गुजरौलिया ग्रांट में चक मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने चक मार्ग की वर्तमान स्थिति, ग्रामीणों के आवागमन की सुविधा तथा निर्माण एवं मरम्मत कार्यों का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि चक मार्ग का निर्माण एवं मरम्मत कार्य मानक के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण ढंग से कराया जाए, ताकि ग्रामीणों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने कार्य में तेजी लाकर निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मौके पर मौजूद ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

डीएम ने सेमरनार अस्थायी गौशाला का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर अंतर्गत सेमरनार स्थित अस्थायी गौशाला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गौवंशों के रख–रखाव, चारा, भूसा, पेयजल एवं साफ–सफाई की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं गौशाला संचालकों को निर्देशित करते हुए कहा कि गौवंशों को समय पर चारा एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए तथा गौशाला परिसर में नियमित साफ–सफाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने गौवंशों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक उपचार की समुचित व्यवस्था बनाए रखने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने गौशाला में संरक्षित गौवंशों की संख्या एवं उनकी देखभाल संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने शासन की मंशा के अनुरूप गौशालाओं में बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डा. गणेश प्रसाद सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं व बालिकाओं को किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन में चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज 5.0 (द्वितीय चरण) अभियान के तहत थाना बांसी की मिशन शक्ति टीम द्वारा ग्राम पठनपुरवा में महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण तथा

क्षेत्राधिकारी बांसी शुबेंदु सिंह एवं प्रभारी निरीक्षक मृत्युंजय पाठक के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान मिशन शक्ति एवं बहू–बेटी सम्मेलन के अंतर्गत महिलाओं और बालिकाओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव, नए कानूनों तथा विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, रानी लक्ष्मीबाई बाल एवं महिला सम्मान कोष, नारी शक्ति वंदन अधिनियम, निराश्रित महिला पेंशन योजना एवं मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना सहित विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। इसके साथ ही मिशन शक्ति टीम द्वारा महिलाओं को हेल्पलाइन नंबरों जैसे 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1090 वूमेन पावर हेल्पलाइन, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 181 वीमेन हेल्पलाइन, 108 एंबुलेंस सेवा एवं 101 अग्निशमन सेवा के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम में मिशन शक्ति टीम के उपनिरीक्षक शैलेष प्रताप सहित अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

नेपियर घास प्लांटेशन निरीक्षण में लापरवाही पर डीएम नाराज

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने विकास खण्ड नौगढ़ के ग्राम बड़गो में स्थापित नेपियर घास प्लांटेशन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नेपियर घास की स्थिति, रख–रखाव एवं उसकी उपयोगिता का जायजा लिया। निरीक्षण में व्यवस्थाओं में लापरवाही एवं अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी की कार्यशैली पर असंतोष जताते हुए उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही प्रारंभ किए जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि गौ संरक्षण एवं पशुपालन से जुड़ी योजनाओं में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि नेपियर घास के उत्पादन, संरक्षण एवं रख–रखाव कार्यों को गंभीरता से लेते हुए निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य सुनिश्चित कराया जाए। इस अवसर पर संबंधित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बकरीद को लेकर खेसरहा पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। आगामी त्यौहार ईद–उल–जुहा (बकरीद) को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से थाना खेसरहा पुलिस पूरी तरह सतर्क नजर आ रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन में थाना क्षेत्र बेलौहा में पुलिस द्वारा फ्लैग मार्च एवं पैदल गश्त किया गया। थाना प्रभारी अनूप कुमार मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बेलौहा बाजार, प्रमुख चौराहों एवं संवेदनशील स्थानों पर भ्रमण कर लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने स्थानीय लोगों एवं व्यापारियों से संवाद कर शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस ने संदिग्ध व्यक्तियों एवं गतिविधियों पर नजर रखते हुए लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचना देने की बात कही। थाना प्रभारी ने कहा कि त्योहार के दौरान क्षेत्र में लगातार गश्त जारी रहेगी तथा शांति भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लोगों में विश्वास बढ़ा है।

खेसरहा पुलिस का मिशन शक्ति अभियान, बेलवालगुनही में महिलाओं को किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। थाना खेसरहा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बेलवालगुनही में मिशन शक्ति फेज–5 (द्वितीय चरण) अभियान के तहत बहू–बेटी सम्मेलन एवं साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम डॉ. अभिषेक महाजन के

निर्देशन तथा थाना प्रभारी अनूप कुमार मिश्रा के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान मिशन शक्ति टीम ने चौपाल लगाकर महिलाओं एवं किशोरियों को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध, घरेलू हिंसा, छेड़छाड़ तथा सोशल मीडिया फ्रॉड से बचाव के बारे में जागरूक किया। थाना पुलिस टीम ने महिलाओं को बताया कि किसी भी प्रकार की समस्या या अपराध की स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचना दें और सतर्क रहकर स्वयं को सुरक्षित रखें। इस दौरान महिलाओं को हेल्पलाइन नंबर 1090 वूमेन पावर लाइन, 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 181 महिला हेल्पलाइन तथा 1930 साइबर हेल्पलाइन के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रहीं और पुलिस टीम द्वारा दिए गए सुरक्षा संबंधी सुझावों को ध्यानपूर्वक सुना।

श्मशान घाट पर जेसीबी चलाकर कंकाल गायब करने का आरोप, क्षेत्र में तनाव

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद के थाना उसका बाजार क्षेत्र अंतर्गत फुलवरिया श्मशान घाट पर जेसीबी चलाकर दफन किए गए शवों के कंकाल गायब करने तथा बड़े पैमाने पर मिट्टी चोरी किए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। घटना को लेकर हिंदू समुदाय में भारी आक्रोश व्याप्त है तथा क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई है। इस संबंध में विश्व हिंदू महासंघ के जिलाध्यक्ष कृपाशंकर त्रिपाठी ने पुलिस प्रशासन को शिकायती पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई एवं घटना में प्रयुक्त वाहनों को सीज करने की मांग की है। शिकायत के अनुसार थाना उसका बाजार क्षेत्र के गौशाला चौराहा, परसा बुजुर्ग के पास स्थित फुलवरिया श्मशान घाट पर हिंदू रीति–रिवाज के अनुसार अंतिम संस्कार किया जाता है। आरोप है कि 22/23 मई 2026 की रात कुछ लोगों ने जेसीबी मशीन से श्मशान भूमि की खुदाई कर वहां दफन शवों के कंकाल गायब कर दिए तथा लाखों रुपये की मिट्टी चोरी कर बेच दी। शिकायत में मुबारक, तबारक, खुआब, नजाबुल सहित तीन–चार अज्ञात लोगों पर घटना में शामिल होने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता का कहना है कि इस कृत्य से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं और स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी है। आरोप यह भी लगाया गया है कि अवैध खुदाई से नदी की भौगोलिक स्थिति एवं स्थानीय पर्यावरण तंत्र को भी नुकसान पहुंचा है। मामले को लेकर लोगों ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पुलिस प्रशासन मामले की जांच में जुटा हुआ है।

थाना समाधान दिवस में सुनी गईं जनता की समस्याएं, खेसरहा पुलिस ने किया त्वरित निस्तारण का भरोसा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर के थाना खेसरहा में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन के निर्देशन में थाना समाधान दिवस

का आयोजन किया गया। इस दौरान थाना प्रभारी अनूप कुमार मिश्रा व पुलिस टीम द्वारा थाना परिसर में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित कर क्षेत्र से आए फरियादियों की समस्याएं एवं शिकायतें गंभीरता से सुनी गईं। पुलिस अधिकारियों ने संबंधित मामलों के शीघ्र एवं निष्पक्ष निस्तारण का आश्वासन देते हुए कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। थाना समाधान दिवस के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद तथा अन्य शिकायतों पर सुनवाई की गई।

बकरीद को लेकर खेसरहा थाना अलर्ट, एसओ अनूप मिश्रा ने धर्म गुरुओं व ग्राम प्रधानों संग की पीस कमेटी बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। सिद्धार्थनगर जनपद के थाना खेसरहा परिसर में आगामी बकरीद पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न कराने को लेकर पीस कमेटी की गोष्ठी आयोजित की गई। यह बैठक वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन के निर्देशन में थाना प्रभारी अनूप कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। गोष्ठी में थाना क्षेत्र के ग्राम प्रधान, संभ्रांत नागरिकों एवं विभिन्न धर्म गुरुओं ने भाग लिया। थाना प्रभारी ने सभी से आपसी भाईचारा, सौहार्द एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

सम्पादकीय

देखभाल करना नैतिक–कानूनी जिम्मेदारी

यह कष्टकारी ही है कि देशभर की अदालतें परित्यक्त–प्रताड़ित माता–पिता से जुड़े विवादों का सामना कर रही हैं। न्यायाधिकरणों और उच्च न्यायालयों ने दुर्व्यवहार करने वाले बच्चों को बेदखल करने तक के आदेश दिए हैं। अदालतों द्वारा माता–पिता द्वारा अर्जित संपत्ति पर उनके अधिकारों को बरकरार रखने ने वरिष्ठ नागरिकों के भरण–पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007 को ...

संवेदनाओं के क्षरण व आत्मकेंद्रित होती नई पीढ़ी के दौर में मां–बाप की बेकद्री विचलित करने वाली है। यह विडंबना ही है कि उन मां–बाप की देखभाल करने का निर्देश अदालत को देना पड़ रहा है, जिनका ऋण वे कभी चुका ही नहीं सकते। मां के रक्त से सींचे गए और पिता की पसीने से पले–बढ़े बेटे से यदि अदालत को कहना पड़े कि 'मां को घर में रहने के लिये एक कमरा, अलग बाथरूम और बुनियादी सुविधाएं दी जाएं', तो यह बात शर्मसार करने वाला है। जिस मां ने नौ माह तक बेटे को अपने पेट में पाला, उसे घर में रहने देने के लिये अदालत को निर्देश देना पड़े, इससे बड़ा कृतघ्नता का दूसरा उदाहरण नहीं हो सकता। भले ही यह कोर्ट का आदेश हो, लेकिन यह एक अलिखित नैतिक दायित्व पहले से ही है। निश्चय ही यह घटनाक्रम हमारे समाज की बेहद कष्टदायक होती तसवीर को ही उकेरता है। सामान्य तौर पर मां–बाप अपना पेट काटकर, अपने सुख–सुविधाओं पर समझौता कर, बच्चों को बेहतर से बेहतर देने का प्रयास करते हैं। एक मां–बाप ही होते हैं जो सच्चे मन से अपने बच्चों की तरक्की चाहते हैं। निस्संदेह, ऐसी पढ़ी–लिखी संतानों से अनपढ़ संतानें बेहतर हैं, जो कम से कम अपने वृद्ध माता–पिता के पास रहकर उनका ख्याल तो रखती हैं। यह सवाल परेशान करने वाला है कि जिस समाज में 'मातृ देवो भव' की सर्वस्वीकार्य मान्यता रही हो, वहां ये कैसी कलयुगी संतानें जन्म ले रही हैं? मां–बाप की बेकद्री की यह अकेली कहानी नहीं है, हर रोज अखबारों में ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, जिसमें धन–संपत्ति के लिये मां–बाप से क्रूरता की जा रही होती है। निस्संदेह, यदि उनकी अवहेलना व उत्पीड़न का यह क्रम यूं ही चलता रहा तो बहुत संभव है भारत में भी पश्चिमी देशों जैस चलन शुरू हो जाएगा, जहां मां–बाप बच्चों को होश संभालने के बाद ही उन्हें पैरों पर खड़ा होने के लिये चलता कर देते हैं। दरअसल, पश्चिमी देशों में मां–बाप मानकर चलते हैं कि बड़े होकर बच्चों ने उनकी देखभाल नहीं करनी, अतरू इनसे पहले ही किनारा कर लो। आधुनिकता व तरक्की की लाख इबारतें लिख ली जाएं, भारतीय समाज कभी पश्चिमी समाज की तर्ज पर नहीं चल सकता। भारत श्रवण कुमार का देश है और आज भी अधिसंख्य संतानें अपने मातृ–पितृ ऋण उतारती हैं। उनका ख्याल रखती हैं। विकृतियां महानगरीय संस्कृति की भी देन हैं। बच्चों की भी अपनी दुश्वारियां हैं। फिर भी भारतीय संस्कृति में वो शक्ति है जो पारिवारिक मूल्यों को सींचती है। बहरहाल, माता–पिता की सेवा–सम्मान व बुढ़ापे में उनकी देखभाल करना महज एक सांस्कृतिक दिखावा नहीं है बल्कि संतानों का नैतिक–कानूनी दायित्व भी है। हाल ही में कोर्ट ने जिस घर में बेटे को वृद्ध मां को एक कमरा आदि देने को कहा, वह मकान वृद्धा के दिवंगत पति द्वारा ही बनाया गया था। जिसमें अपना हक पाने हेतु उसे न्यायिक हस्तक्षेप का सहारा लेना पड़ा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि किसी वृद्ध मां को आश्रय और आत्म स्वाभिमान हेतु बच्चों के खिलाफ कोर्ट–कचहरी करनी पड़े। निस्संदेह, यह उस भारतीय संयुक्त परिवार परंपरा का पराभव ही है जिसकी मिसाल पश्चिमी भोगवादी संस्कृति के अगुवा दिया करते थे। यहां न्यायालय के संवेदनशील व न्यायपूर्ण निर्णय की मुक्त कंठ से सराहना करनी होगी, जिसमें कोर्ट ने निर्णय के खिलाफ दी गई पुत्र की याचिका को खारिज कर जुर्माना लगाया। यह कष्टकारी ही है कि देशभर की अदालतें परित्यक्त–प्रताड़ित माता–पिता से जुड़े विवादों का सामना कर रही हैं। न्यायाधिकरणों और उच्च न्यायालयों ने दुर्व्यवहार करने वाले बच्चों को बेदखल करने तक के आदेश दिए हैं। अदालतों द्वारा माता–पिता द्वारा अर्जित संपत्ति पर उनके अधिकारों को बरकरार रखने ने वरिष्ठ नागरिकों के भरण–पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007 को सुदृढ़ ही किया है। न्यायपालिका ने संपत्ति के अधिकार के साथ ही कल्याण संबंधी चिंताओं को भी सावधानीपूर्वक संतुलित किया है। न्यायालय ने यह भी सुनिश्चित किया है कि पारिवारिक झगड़ों में कानून का दुरुपयोग न हो। लेकिन फिर भी संकट का समाधान सिर्फ कानून से संभव नहीं है। हाईकोर्ट का फैसला संदेश देता है कि विरासत पर बातचीत हो सकती है, लेकिन मानवता पर नहीं।

कॉकरोचों की तो हो गयी बल्ले–बल्ले

आज उसी कॉकरोच की बल्ले–बल्ले है। उसके नाम से एक पार्टी बन गयी है–कॉकरोच जनता पार्टी। बताते हैं कि चार–पांच दिन में ही उसकी सदस्यता पचास लाख को पार कर गयी है। जिन्हें सारी दुनिया खत्म करने पर आमादा है, जो घृणित हैं, लिजलिजे और गिजगिजे हैं, जिन्हें देखते ही उबकाई आती है, आज उन्हीं की बल्ले–बल्ले है। जी हां, कॉकरोचों यानी तिलचट्टों की ही बात हो रही है। दुनिया में सबसे पहला जीव तो पता नहीं कौन–सा था, लेकिन कहते हैं कि सबसे आखिरी जीव यह कॉकरोच ही होगा। परमाणु बम सारी दुनिया को खत्म कर देंगे, लेकिन वे कॉकरोच को खत्म नहीं कर पाएंगे। फिर यह काला–पीला हिट उसका क्या बिगाड़ लेंगे। मनुष्य तो शाश्वत नहीं है, यह तो सर्वविदित है। मनुष्यता के सारे ज्ञान का, सारे दर्शन का सार यही है। लेकिन लगता है कि कॉकरोच अवश्य ही शाश्वत है। शाश्वत नहीं तो मनुष्य से ज्यादा जीवटवाला तो अवश्य ही है। परमाणु बम के सामने भी वह डटा रहेगा, जबकि मनुष्य भाप बनकर उड़ जाएगा, धुआं–धुआं हो जाएगा। फिर भी वह लिजलिजा तो है, घृणित तो है। जिन लोगों से घृणा की जाती है, उनकी तुलना कॉकरोचों से ही की जाती है। शायद इसीलिए हिटलर यहूदियों को कॉकरोच वगैरह ही कहा करता था। हिटलर तो खत्म हो गया, लेकिन कॉकरोच बचा रहा। लेकिन आज उसी कॉकरोच की बल्ले–बल्ले है। उसके नाम से एक पार्टी बन गयी है–कॉकरोच जनता पार्टी। बताते हैं कि चार–पांच दिन में ही उसकी सदस्यता पचास लाख को पार कर गयी है। कभी चीन की कम्युनिस्ट पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी होती थी। फिर भारतीय जनता पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी। लेकिन अब लगता है कॉकरोच जनता पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बन जाएगी। इंस्टाग्राम पर तो बताते हैं कि यह पार्टी कांग्रेस और भाजपा को पहले ही पछाड़ ही चुकी है। बताते हैं कि इतने दिन में ही उसके डेढ़ करोड़ फॉलोअर्स हो गए। और इसका श्रेय जाएगा हमारे मुख्य न्यायाधीश महोदय को। न तो वे युवाओं और बेरोजगारों को कॉकरोच कहते और न यह पार्टी अस्तित्व में आती। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट भी कर दिया है कि उन्होंने युवाओं को कॉकरोच नहीं कहा। लेकिन इतने में ही पार्टी तो बन गयी। उनकी सफाई का इंतजार कौन करता। इस मामले में अमित शाहजी पिछड़ गए। वे भी घुसपैठियों को टर्माइट यानी दीमक कहते रहे हैं। लेकिन इसका श्रेय उन्हें नहीं मिला कि कोई टर्माइट पार्टी बना लेता। खैर जी, कॉकरोच जनता पार्टी के मुकाबले में एक दूसरी पार्टी भी बन चुकी है–पैरासाइट पार्टी यानी परजीवी पार्टी और इसका श्रेय भी मुख्य न्यायाधीश को ही जाएगा। इतिहास उन्हें दो–दो पार्टियों के प्रेरक के रूप में याद करेगा। नहीं क्या?

तारीख पर तारीख से मुक्ति की पहल

सुप्रीम कोर्ट का यह हस्तक्षेप लोकतंत्र की जीवंतता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के संरक्षण का प्रतीक है। 'तारीख पर तारीख' के फिल्मी संवाद को हकीकत में बदलने के लिए प्रशासनिक जटिलताओं को खत्म करना और 'जेल नहीं, जमानत' के सिद्धांत को धरातल पर उतारना अनिवार्य है। यदि हम स्वचालित प्रणालियों और जवाबदेह कार्यशैली को अपनाते हैं, तो न्याय का रथ तारीखों के बोझ से मुक्त होकर ...

यदि हम स्वचालित प्रणालियों और जवाबदेह कार्यशैली को अपनाते हैं, तो न्याय का रथ तारीखों के बोझ से मुक्त होकर मानवीय गरिमा और त्वरित तर्क के पथ पर अग्रसर होगा। यह केवल एक आदेश नहीं, बल्कि भारतीय न्याय प्रणाली के पुनरुद्धार का एक महा–संकल्प है। न्याय के गलियारों में गूंजती 'तारीख पर तारीख' की प्रतिध्वनि दरअसल उस आम आदमी की सिसकी है, जिसकी व्यक्तिगत स्वतंत्रता फाइलों के बोझ तले दम तोड़ रही है। फिल्म 'दामिनी' का वह मशहूर संवाददृ 'तारीख पर तारीख मिलती रही है माय लॉर्ड, लेकिन इंसाफ नहीं मिला' महज एक फिल्मी लाइन नहीं, बल्कि भारत की अदालतों की उस कड़वी हकीकत का जीवंत दस्तावेज है, जिससे हर रोज देश का आम नागरिक गुजरता है। 'न्याय में देरी, न्याय से वंचित होना है'कृयह कहावत भारतीय न्यायपालिका की सबसे बड़ी चुनौती रही है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने इस विसंगति को जड़ से मिटाने के लिए एक क्रांतिकारी पहल की है। हाल ही में माननीय उच्चतम न्यायालय की जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की पीठ ने स्पष्ट किया है कि जमानत याचिकाओं में अनावश्यक देरी न केवल कानूनी विफलता है, बल्कि यह संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्राप्त 'प्राण और दैहिक स्वतंत्रता' के अधिकार का सीधा उल्लंघन है। 'मेनका गांधी बनाम भारत संघ' के ऐतिहासिक मामले में स्थापित यह सिद्धांत कि 'कानूनी प्रक्रिया उचित, न्यायपूर्ण और तर्कसंगत होनी चाहिए', आज भी हमारी न्यायिक शुचिता की कसौटी है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट जैसे बड़े न्यायालयों में संसाधनों की भारी कमी और न्यायिक ढांचे पर अत्यधिक दबाव चिंताजनक है, जहां एक न्यायाधीश को प्रतिदिन औसतन 200 जमानत याचिकाओं की सुनवाई करनी पड़ती है। इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस अरुण कुमार जायसवाल ने 'तारीख पर तारीख' की संस्कृति पर तीखी टिप्पणी करते हुए स्पष्ट किया कि इस न्यायिक देरी का अनुचित लाभ उठाकर कई दागी व्यक्ति राजनीति के शीर्ष पदों तक पहुंच जाते हैं। न्यायालय ने एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि देरी के लिए केवल न्यायपालिका ही नहीं, बल्कि पुलिस द्वारा समय पर फोरेंसिक रिपोर्ट और गवाहों को पेश न करना भी समान रूप से जिम्मेदार है। कानूनी परिप्रेक्ष्य में 'स्टेट ऑफ राजस्थान बनाम बालचंद (1977)' के तहत जस्टिस कृष्ण अय्यर का यह सिद्धांत सर्वोपरि है कि 'जमानत एक नियम है और जेल एक अपवाद'। भारतीय न्यायशास्त्र के अनुसार जब तक दोष सिद्ध न हो, व्यक्ति निर्दोष है। इसके बावजूद, 'तारीख पर तारीख' के चक्रव्यूह में फंसकर विचाराधीन कैदी बिना किसी अपराध के वर्षों जेल में काट देते हैं। इसी न्यायिक जड़ता को तोड़ने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने अब जमानत मामलों को हर हफ्ते या अधिकतम दो हफ्ते में लिस्ट करने का निर्देश दिया है। 'सत्येंद्र कुमार अंतिल बनाम सीबीआई (2022)' मामले में भी अदालत ने साफ कहा था कि जमानत में देरी नागरिक की गरिमा पर सीधी चोट है। विकसित देशों में जमानत प्रक्रिया भारत की तुलना में अधिक त्वरित और तकनीक–केंद्रित है। यूनाइटेड किंगडम में 'बेल एक्ट 1976' के तहत जमानत एक वैधानिक अधिकार है, जिस पर अदालतें कुछ ही घंटों या दिनों में निर्णय लेती हैं । संयुक्त राज्य अमेरिका में 'एक्चुअरियल रिस्क असेसमेंट' और एल्गोरिदम जैसे तकनीकी टूल्स का उपयोग न्यायाधीशों को वस्तुनिष्ठ निर्णय लेने और प्रक्रिया को तेज करने में मदद करता है। इसी दिशा में भारतीय सुप्रीम कोर्ट भी अब 'ऑटोमेटिक लिस्टिंग सिस्टम' पर जोर दे रहा है। इस न्यायिक जड़ता को तोड़ने के लिए 'मद्रास उच्च न्यायालय' की कार्यप्रणाली को राष्ट्रीय मॉडल बनाना होगा। व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा हेतु 'विशेष जमानत अदालतें या समर्पित 'स्वतंत्रता बेंच' का गठन समय की मांग है। सुधार का दूसरा अनिवार्य स्तंभ 'संस्थागत जवाबदेही' है। जांच एजेंसियों और अभियोजन पक्ष के लिए जवाब दाखिल करने हेतु 72 घंटे से 7 दिनों की सख्त समय–सीमा तय हो। सरकारी पक्ष द्वारा समय मांगे जाने पर 'कॉस्ट इम्पाउन्डिंग' जैसे दंडात्मक उपाय लागू होने चाहिए। साथ ही, अधूरी चार्जशीट और विलंबित जांच पर अंकुश लगाना होगा, जो 'तारीख पर तारीख' का मुख्य कारण हैं। जरूरी है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से एक ऐसा 'केस मैनेजमेंट सिस्टम' विकसित हो, जहां हर मुकदमे का 'लाइफ–साइकिल' पहले से निर्धारित हो। ई–फाइलिंग और अनिवार्य वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से प्रशासनिक एवं भौतिक पेशी की बाधाएं स्वतः समाप्त हो जाएंगी। न्याय को मानवीय संवेदनाओं की कसौटी पर कसना होगा। भारी मुचलके न भर पाने के कारण जेलों में बंद गरीब कैदियों के लिए 'पर्सनल बॉन्ड' को प्राथमिकता देना एक साहसी कदम होगा। जब जांच, तकनीक और मानवीय गरिमा का संगम होगा, तभी न्याय की ड्योढ़ी पर आम आदमी का विश्वास बहाल हो सकेगा।

युवा मन की पीड़ा व आक्रोश को समझें

इन बेरोजगारों में से 67 प्रतिशत युवा स्नातक हैं। आंकड़े यह भी बताते हैं कि सनद् 2000 की तुलना में आज यह संख्या दुगनी हो चुकी है। तब 35 प्रतिशत युवा बेरोजगार थे, आज 65 प्रतिशत से अधिक युवा रोजगार की तलाश में भटक रहे हैं। आखिर क्यों ? इस स्थिति के लिए कौन जिम्मेदार है ? किसका दायित्व है इन युवाओं को रोजगार देना ? फिर, जब इन युवाओं में से कुछ आर टी आई कार्यकर्ता बन...

पिछले पच्चीस सालों में सौ से अधिक आरटीआई कार्यकर्ताओं की हत्या हो चुकी है। 'फ्री स्पीच कलेक्टिव' के अनुसार भारत में पिछले दो दशकों में पचास से अधिक पत्रकार पेशेवर कार्यों के कारण मारे जा चुके हैं। ऐसे लोगों को जब कोई कॉकरोच या परजीवी कहे तो दुख भी होना चाहिए और गुस्सा भी आना चाहिए। पिछले कुछ दिनों से अचानक कॉकरोच यानी तिलचट्टा देश में चर्चा का विषय बन गया है। नहीं, कॉकरोच ने कुछ नया नहीं किया है। हुआ यह है कि देश की सर्वोच्च अदालत के मुखिया ने एक मामले की सुनवाई के दौरान अपनी अलिखित टिप्पणी में कॉकरोच का नाम लेकर कुछ ऐसा कह दिया कि देशभर में चर्चा चल पड़ी है। मामला एक वकील द्वारा 'वरिष्ठ वकील' कहलाये जाने की मांग को उठाये जाने का था। उसकी मांग को अनुचित बताते हुए मुख्य न्यायाधीश महोदय ने उस जैसे वकीलों की तुलना कॉकरोच से कर दी। उन्होंने कहा, कुछ बेरोजगार युवा कॉकरोच जैसे होते हैं जो बाद में मीडिया, सोशल मीडिया या आरटीआई एक्टिविस्ट आदि बनकर सिस्टम पर हमला करने लगते हैं। स्पष्ट है उन्हें वह वकील महोदय भी सिस्टम पर हमला करने वाले लगे होंगे। मुख्य न्यायाधीश तो यह टिप्पणी करके चुप हो गये थे, पर इस टिप्पणी को लेकर देश बोलने लगा। बेरोजगारों, एक्टिविस्टों, मीडिया कर्मियों, ने मुख्य न्यायाधीश की इस टिप्पणी को

अनुचित ही नहीं, शर्मनाक भी बताया। सचमुच, यह समझना आसान नहीं है कि देश के सर्वोच्च पदों में से एक पर बैठने वाला व्यक्ति देश के युवाओं की तुलना कॉकरोच जैसे जीव कैसे कर सकता है! बात जब बढ़ने लगी तो न्यायाधीश महोदय ने अपना स्पष्टीकरण देते हुए यह कहा कि उनकी बात को अनुचित रूप से सामने रखा जा रहा है, उनका मुख्य निशाना तो उन लोगों पर था जो फर्जी डिग्रियों से कानूनी पेशे में आ जाते हैं और सिस्टम पर हमला करने लगते हैं। जहां तक भारत के युवाओं का सवाल है, उन्हें तो वह 'विकसित भारत का स्तंभ' मानते हैं। मुख्य न्यायाधीश महोदय ने अपने स्पष्टीकरण में यह भी कहा कि उन्हें 'युवाओं की वर्तमान और भविष्य की क्षमता पर गर्व है'। होना तो यह चाहिए था कि इस स्पष्टीकरण के बाद विवाद यहीं समाप्त हो जाता, पर हुआ नहीं। मुख्य न्यायाधीश द्वारा युवाओं, एक्टिविस्टों, मीडिया कर्मियों की तुलना कॉकरोच से किया जाना लोगों को रास नहीं आ रहा। मुख्य न्यायाधीश ने सिर्फ कॉकरोच ही नहीं कहा, उनके लिए 'परजीवी' शब्द का इस्तेमाल भी किया। यदि यह विशेषण युवा भारत को आहत कर रहा है तो इसे गलत नहीं कहा जा सकता।

मुख्य न्यायाधीश चाहते तो कॉकरोच या परजीवी जैसे शब्दों के अनुचित उपयोग पर क्षमा मांग सकते थे। क्षमता नहीं मांगते तो कम से कम खेद तो व्यक्त कर ही सकते थे। उनका ऐसा करना एक उदाहरण होता उन सबके लिए जो सार्वजनिक व्यवहार में इस तरह के शब्द अक्सर बोल जाते हैं। सवाल शब्दों का ही नहीं है, इनके पीछे की मानसिकता का है। देश के युवाओं को कॉकरोच या परजीवी कहने की इस मानसिकता को समझना जरूरी है। कथित गलत काम करने के लिए किसी को सांप या बिच्छू भी कहा जा सकता था। पर जाने–अनजाने मुख्य न्यायाधीश महोदय ने कॉकरोच शब्द का इस्तेमाल किया। कॉकरोच शब्द अपने आप में एक लंबी कहानी और प्रवृत्ति को उजागर करता है। आज जिसे हम कॉकरोच कहते हैं, उसका जन्म शायद जुरासिक काल में हुआ थादृ आज से 320 मिलियन साल पूर्व। यह शायद अकेला जीव है जो तीन करोड़ सालों से अधिक समय से धरती पर है और कहते हैं इसका अस्तित्व कभी समाप्त भी नहीं होगा। न्यूक्लियर युद्ध के बाद भी कॉकरोच के धरती पर बने रहने की बात भी वैज्ञानिक कहते रहते हैं! महान जर्मन कथाकार फ्रांज काफ्का की कहानी 'दि मेटामार्फोसिस' में कॉकरोच का सीधा वर्णन तो नहीं किया गया, पर कहानी का मुख्य पात्र ग्रेगर सामसा एक खतरनाक कीड़े में बदल जाता है। काफ्का ने इसके लिए एक जर्मन शब्द 'अनजेसिफर' का इस्तेमाल किया है, इसका अर्थ 'गंदा कीड़ा' या 'बीमारी फैलाने वाला जीव' होता है। वस्तुतः कहानी में एक जीव का इस कीड़े के रूप में कायांतरण होता है। जिसकी मृत्यु उसके परिवार के लिए महत्वहीन होने की अनुभूति थी। आप चाहें तो इस 'अनजेसिफर' को घृणा करने योग्य कीड़े के रूप में देख सकते हैंय जो लिजलिजा हैय जो गंदे गीले माहौल में पलता हैय जो परजीवी हैदृ और जो किसी काम का नहीं रहा है। जब हम किसी को कॉकरोच या तिलचट्टा कहते हैं तो वस्तुतः हम उसे एक ऐसे जीव के रूप में देख रहे होते हैं जो किसी काम का नहीं है, जो अंधेरे में जीता है, जो छिपकर वार करता है, जो परजीवी है! आज यदि देश के मुख्य न्यायाधीश द्वारा युवाओं को कॉकरोच कहे जाने पर आपत्ति है तो उसके पीछे उस मानसिकता के नकार की प्रवृत्ति है जो परजीवी को एक गाली के रूप में देखती है। सांप–बिच्छू जैसे जीवों के विपरीत कॉकरोच को छिपे हुए संक्रमण और उपेक्षित जगहों पर रहने से जोड़ा जाता है। उसका लिजलिजापन एक अजीब–सी अनुभूति उत्पन्न करता है। देश के बेरोजगारों को परजीवी मानने–कहने का मतलब देश के एक करोड़ से अधिक युवाओं को नाकारा बतलाना है। उनका अपराध या पाप यही है कि हमारी व्यवस्था उन्हें रोजगार नहीं दे पायी। अंतर्राष्ट्रीय श्रम आयोग और मानव विकास संस्थान के एक सर्वेक्षण के अनुसार पंद्रह से उन्तीस वर्ष की आयु वर्ग में आने वाले भारतीय युवाओं में 83 प्रतिशत बेरोजगार हैं।

शो खत्म होते ही डोनाल्ड ट्रंप का बदला! स्टीफन कोल्बर्ट को कचरे में फेंका ? शेयर किया कौन सा वीडियो

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने एक्स अकाउंट पर एक हैरान करने वाला एआई–एडिटेड वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में ट्रंप, लेट–नाइट शो के पॉपुलर होस्ट स्टीफन कोल्बर्ट को कचरे के डिब्बे में डालते हुए दिख रहे हैं। दोनों के बीच का पुराना विवाद इस वीडियो के बाद एक बार फिर गरमा गया है। दिलचस्प बात यह है कि यह वीडियो सीबीएस पर श्द लेट शो विद स्टीफन कोल्बर्टश् के आखिरी एपिसोड के प्रसारित होने के ठीक बाद आया है। इसके साथ ही कोल्बर्ट का 11 साल का होस्टिंग सफर भी थम गया है, जिसकी शुरुआत उन्होंने 2015 में डेविड लेटरमैन के रिटायरमेंट के बाद की थी। एआई द्वारा बनाया गया यह वीडियो कोलबर्ट के टेलीविजन से विदाई का मजाक उड़ाता हुआ प्रतीत होता है और तेजी से ऑनलाइन वायरल हो गया, जिससे अमेरिका के सबसे लोकप्रिय लेट–नाइट शो में से एक के रद्द होने पर चल रही बहस के बीच कई प्रतिक्रियाएं सामने आईं। ट्रम्प ने वर्षों से कोलबर्ट की लगातार आलोचना की है, उन्हें प्रतिभाहीन कहा है और द लेट शो के रद्द होने पर खुशी जताई है। इस सप्ताह कोलबर्ट के अंतिम एपिसोड के बाद, ट्रम्प ने कथित तौर पर पोस्ट किया कि उन्हें खुशी है कि होस्ट आखिरकार चला गया।

स्टीफन कोलबर्ट का शो क्यों बंद हुआ?

सीबीएस ने पहले घोषणा की थी कि स्टीफन कोलबर्ट का श्द लेट शोश मई 2026 में समाप्त हो जाएगा। कंपनी ने इसके पीछे पारंपरिक लेट–नाइट टेलीविजन पर पड़ रहे वित्तीय दबावों को कारण बताया, जबकि कोलबर्ट अपने टाइम स्लॉट में रेटिंग में सबसे आगे थे। विज्ञापन राजस्व में गिरावट, दर्शकों की आदतों में बदलाव और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म के बढ़ते प्रभाव ने लेट–नाइट टीवी उद्योग को तेजी से प्रभावित किया है। हालांकि, यह रद्द होना राजनीतिक रूप से विवादास्पद हो गया क्योंकि यह कोलबर्ट द्वारा ट्रंप से जुड़े एक कानूनी समझौते को लेकर सीबीएस की मूल कंपनी पैरामाउंट की आलोचना करने के बाद हुआ, जबकि पैरामाउंट उसी समय एक बड़े विलय के लिए नियामक मंजूरी मांग रही थी। सीबीएस ने राजनीतिक प्रभाव से इनकार किया और कहा कि यह निर्णय पूरी तरह से आर्थिक कारणों से लिया गया था।

कोल्बर्ट के आखिरी एपिसोड को मिले रिकॉर्ड व्यूज

स्टीफन कोल्बर्ट का आखिरी शो सिर्फ एक विदाई नहीं, बल्कि एक ब्लॉकबस्टर इवेंट साबित हुआ! रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फेयरवेल एपिसोड को करोड़ों लोगों ने देखा, जिसने शो की सामान्य टीआरपी को बहुत पीछे छोड़ दिया। इस खास मौके पर कई मशहूर हस्तियां और उनके साथी लेट–नाइट होस्ट्स भी उन्हें गुडबाय कहने पहुंचे। सभी ने कोल्बर्ट की उस बेबाकी को सलाम किया, जिसके दम पर उन्होंने हमेशा बिना डरे बड़े–बड़े राजनेताओं और ताकतवर चेहरों पर तीखे और बेबाक तंज कसे।

आईपीएल में नई **Rivalry**? विराट कोहली ने ट्रैविस हेड से हाथ नहीं मिलाया, वीडियो हुआ वायरल

शुक्रवार रात आईपीएल 2026 के मैच में सनराइजर्स हैदराबाद की रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु पर 55 रनों की जीत के दौरान विराट कोहली और ट्रैविस हेड के बीच मैदान पर थोड़ी कहा–सुनी हुई। कोहली का दिन अच्छा नहीं रहा और उन्होंने दो चौकों की मदद से 11 गेंदों में 15 रन बनाए, जिसके बाद छठे ओवर की आखिरी गेंद से ठीक पहले साइक हुसैन ने उन्हें आउट कर दिया।

यह घटना राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में आरसीबी के 256 रनों के लक्ष्य का पीछा करते समय घटी। जब वेंकटेश अय्यर एसआरएच के गेंदबाजों का सामना कर रहे थे, तब कैमरों ने कोहली और हेड को मैदान पर कुछ कहते हुए कैद किया।

जोश में दिख रहे कोहली ने हेड से गेंदबाजी करने का इशारा किया और साथ ही ष्इम्पैक्ट सबष् का संकेत भी दिया। यह इस बात का संकेत था कि ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी को मुख्य रूप से एक विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, और एसआरएच अक्सर फील्डिंग के दौरान उन्हें मुख्य गेंदबाज की जगह मैदान पर उतारती है। हालांकि, मैच के बाद भी यह सिलसिला जारी रहा। मैच के बाद होने वाली पारंपरिक हाथ मिलाने की रस्म के दौरान, कोहली ने हेड को बिना देखे ही आगे बढ़ गए, जबकि उन्होंने एसआरएच के कई अन्य खिलाड़ियों से हाथ मिलाया था, जिससे सलामी बल्लेबाज को कुछ पल के लिए हाथ मिलाने का इंतजार करना पड़ा।

हालांकि, शाम पूरी तरह से एसआरएच के नाम रही, जिनके बल्लेबाजों ने टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया और फिर गेंदबाजों ने आसानी से स्कोर का बचाव कर लिया। हार के बावजूद, आरसीबी ने अपना मुख्य लक्ष्य हासिल कर लियारू लीग तालिका में शीर्ष स्थान प्राप्त करना, जिससे उन्हें क्वालीफायर 1 में जगह मिल गई और आईपीएल 2026 के फाइनल तक पहुंचने का लंबा रास्ता तय नहीं करना पड़ा।

आरसीबी ने 200ध्4 का स्कोर बनाकर अपने नेट रन–रेट को भी सीमित रखा। इससे यह सुनिश्चित हुआ कि तीनों टीमों के अंक बराबर होने के बावजूद वे दूसरे स्थान पर काबिज गुजरात टाइटन्स और तीसरे स्थान पर काबिज एसआरएच से आगे बने रहे। इस बीच, प्लेऑफ में चौथे और अंतिम स्थान के लिए मुकाबला अभी भी खुला हुआ है, क्योंकि लीग के तीन मैच अभी खेले जाने बाकी हैं। पंजाब किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स तीनों टीमें शेष स्थान के लिए दावेदार बनी हुई हैं।

आईपीएल छोड़ो और इंग्लैंड की फ्लाइट पकड़ो..., माइकल वॉन ने प्लेऑफ से पहले ल्ठ के स्टार बल्लेबाज को क्यों दी ये सलाह ?

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने जैकब बेथेल से आग्रह किया है कि अगर उन्हें शेष मैचों के लिए पहली पसंद का विकल्प नहीं चुना जाता है, तो वे रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु कैंप छोड़कर इंग्लैंड लौट जाएं। इससे पहले, एलिस्टेयर कुक ने भी इसी तरह की राय व्यक्त करते हुए सुझाव दिया था कि बेथेल को अपने क्रिकेट कौशल को निखारने के लिए घर लौट जाना चाहिए। वॉन की यह टिप्पणी तब आई जब बेथेल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आरसीबी के अंतिम लीग मैच के लिए प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया गया। आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने टॉस के समय घोषणा की कि बेथेल उंगली की चोट के कारण बाहर हैं, और पाटीदार खुद उनके स्थान पर प्लेइंग इलेवन में वापस आ गए हैं।

बेथेल ने इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के लिए अपने शानदार प्रदर्शन के बाद आईपीएल 2026 में काफी उम्मीदों के साथ प्रवेश किया था। हालांकि, यह युवा खिलाड़ी टूर्नामेंट में कोई खास कमाल नहीं दिखा पाया है और नौ मैचों में सिर्फ 163 रन ही बना पाया है। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज के लिए यह अभियान काफी मुश्किल भरा रहा है। इंग्लिश बल्लेबाज उंगली में चोट के कारण 22 मई को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आरसीबी के आखिरी लीग चरण के मैच से भी बाहर हो गए थे।

उनकी अनुपस्थिति के कारण आरसीबी को अपने बल्लेबाजी क्रम में फेरबदल करना पड़ा, जिसमें वेंकटेश अय्यर ने विराट कोहली के साथ ओपनिंग की, जबकि फ्रेंचाइजी प्लेऑफ के लिए साथी इंग्लिश खिलाड़ी फिल साल्ट की वापसी का इंतजार कर रही थी। कप्तान रजत पाटीदार उंगली की चोट से उबरने के बाद प्लेइंग इलेवन में वापस लौटे। इंग्लैंड 4 जून को न्यूजीलैंड राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट की शुरुआत करने जा रहा है। वॉन का मानना घ्छै कि अगर बेथेल के नॉकआउट चरण में खेलने की संभावना कम है, तो उन्हें आरसीबी के साथ रहने के बजाय अपनी रिकवरी और राष्ट्रीय टीम के प्रति कर्तव्य को प्राथमिकता देनी चाहिए।

क्रिकबज पर बोलते हुए वॉन ने कहा कि अगर जैकब बेथेल घायल हैं, तो उन्हें अगली फ्लाइट से इंग्लैंड वापस आ जाना चाहिए। इंग्लैंड 4 जून को टेस्ट मैच खेल रहा है, इसलिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि मैच से पहले इंग्लैंड उनकी फिटनेस की जांच कर ले, ताकि पता चल सके कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट मैच के लिए फिट हैं या नहीं। मुझे लगता है कि उनके लिए ब्रिटेन वापस आकर अपनी फिटनेस की जांच कराना बेहतर होगा। वॉन ने युवा क्रिकेटरों के लिए आईपीएल के अनुभव के महत्व को स्वीकार किया, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि इंग्लैंड की तैयारियों को अब प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं थोड़ा पुराने ख्यालों का हूं, मुझे लगता है कि लोग कहेंगे कि उन्हें अंत तक रुकना होगा, लेकिन अगर वह रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु के लिए नहीं खेल रहे हैं, तो इंग्लैंड का अगले हफ्ते ट्रेनिंग कैंप है। उन्हें ब्रिटेन वापस आ जाना चाहिए।

एसआरएच की जीत के हीरो ईशान किशन, बोले– कप्तान पैट कमिंस के आने से आत्मविश्वास बढ़ा

सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने आईपीएल 2026 के अपने आखिरी लीग मैच में रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 55 रनों से हराया और ईशान किशन ने उस मैच में निर्णायक पारी खेली। किशन को 46 गेंदों में आठ चौकों और तीन छक्कों की मदद से 79 रनों की शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उनकी तेज पारी की बदौलत एसआरएच ने 255/4 का स्कोर खड़ा किया। अपना प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार प्राप्त करने के बाद किशन ने कहा कि मैं इससे बहुत खुश हूं, एक समय में एक मैच पर ध्यान दे रहा हूं। जब मैं उनके (आरसीबी) खिलाफ खेलता हूं तो मुझे आत्मविश्वास महसूस होता है। परिपक्वता से ज्यादा महत्वपूर्ण है शॉट सिलेक्शन।

किशन ने कहा कि आपको आत्मविश्वास महसूस करना होगा। पहले दिन से ही हमने यही लक्ष्य रखा था कि हमें शीर्ष दो में जगह बनानी है। पैट का आना, जो सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक हैं, उनका होना बहुत अच्छा है। हमें लय में बनाए रखने के लिए सभी को श्रेय जाता है। बस इसे सरल रखें, मैदान पर आनंद लेना जरूरी है। मुझे इसका श्रेय सपोर्ट स्टाफ और पैट कमिंस को देना होगा। 256 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए, वेंकटेश अय्यर ने मात्र 19 गेंदों में 44 रन बनाकर आरसीबी की पारी को शानदार शुरुआत दी। रजत पाटीदार ने अर्धशतक बनाया, जबकि क्रुणाल पांड्या ने 31 गेंदों में नाबाद 41 रन बनाकर योगदान दिया, लेकिन वे अपनी टीम को जीत की रेखा तक नहीं पहुंचा सके।

ईशान मलिंगा ने दो विकेट लिए, जबकि ट्रैविस हेड और साकिब हुसैन ने एक–एक विकेट हासिल किया। 21 वर्षीय हुसैन ने विराट कोहली का विकेट लिया और इसे अपना श्ड्रीम विकेटश बताया। मैच के बाद हुसैन ने कहा कि मेरी योजना विकेट को समझना और उसी के अनुसार गेंदबाजी करना थी। यह मेरा ड्रीम विकेट है (मुस्कुराते हुए)। हमने धीमी गेंदें फेंकने की योजना बनाई थी। मैं बस अपनी क्षमता के अनुसार सुधार करने की कोशिश करता हूं। हम अपना 100: देंगे और उम्मीद है कि हम अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

इससे पहले, एसआरएच ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अभिषेक शर्मा (22 गेंदों में 56 रन), हेनरिक क्लासेन (24 गेंदों में 51 रन) और ईशान किशन (46 गेंदों में 79 रन) के अर्धशतकों की मदद से 255 रन (4 विकेट) बनाए। ट्रैविस हेड और नितिश कुमार रेड्डी ने भी बल्ले से अच्छा योगदान दिया और अपनी टीम को एक प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाने में मदद की। आरसीबी के लिए रसिक सलाम डार ने दो विकेट लिए, जबकि सुयश शर्मा और क्रुणाल पंड्या ने एक–एक विकेट लिया।

पाकिस्तान की तो कोई सुन ही नहीं रहा...अब होर्मुज खुलवाने के लिए कतर ने संभाला मोर्चा, तेहरान भेजा अपना डेलीगेशन

ईरान और इजरायल–अमेरिका के बीच सीजफायर कराने की पाकिस्तान की कोशिश कोई ज्यादा रंग नहीं लाती दिख रही है। ऐसे में दुनिया की सबसे बड़ी लाइफलाइन माने जाने वाले होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा शुरू कराने के लिए कतर ने एक बड़ा कदम उठाया है। अमेरिका और ईरान के बीच जारी भारी तनाव को सुलझाने के लिए कतर की एक मध्यस्थ टीम तेहरान भेजी गई है। होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने से न सिर्फ खाड़ी देशों की इकोनॉमी को भारी नुकसान पहुंचा है, बल्कि ग्लोबल ऑयल मार्केट पर भी इसका गहरा असर पड़ा है। अब देखना होगा कि कतर की इस मध्यस्थता से दोनों देशों के बीच समझौते की राह कितनी आसान होती है। रॉयटर्स को बताया कि कतर की एक वार्ता टीम शुक्रवार को संयुक्त राज्य अमेरिका के समन्वय से तेहरान पहुंची, ताकि ईरान के साथ युद्ध समाप्त करने और लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए एक समझौता कराने में मदद मिल सके। गाजा युद्ध और अंतरराष्ट्रीय तनाव के अन्य क्षेत्रों में मध्यस्थ की भूमिका निभाने वाले दोहा ने अब तक ईरान युद्ध में मध्यस्थता की भूमिका निभाने से खुद को दूर रखा था, क्योंकि हालिया संघर्ष के दौरान उस पर ईरानी मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया गया था। सूत्रों के अनुसार, कतर की एक वार्ता टीम शुक्रवार को तेहरान में है। उन्होंने आगे बताया कि यह टीम संयुक्त राज्य अमेरिका के समन्वय से वहां पहुंची है और इसका उद्देश्य युद्ध को समाप्त करने और ईरान के साथ लंबित मुद्दों को सुलझाने वाले अंतिम समझौते तक पहुंचने में मदद करना है। कतर के विदेश मंत्रालय ने टिप्पणी के अनुरोध पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। हालांकि पाकिस्तान युद्ध शुरू होने के बाद से आधिकारिक मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है, कतर की पुनः भागीदारी क्षेत्र में अमेरिका के सहयोगी और वाशिंगटन तथा तेहरान के बीच विश्वसनीय गुप्त संपर्क सूत्र के रूप में उसकी दीर्घकालिक भूमिका को दर्शाती है। 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिकी–इजरायली हमलों के साथ शुरू हुए इस युद्ध में एक अस्थिर युद्धविराम लागू है, लेकिन कोई बड़ी सफलता नहीं मिली है। अमेरिकी नाकाबंदी और तेहरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को प्रभावी रूप से बंद करने से वार्ता जटिल हो गई है। एक वरिष्ठ ईरानी सूत्र ने गुरुवार को रॉयटर्स को बताया कि कोई समझौता नहीं हुआ है, लेकिन मतभेद कम हो गए हैं। ईरान द्वारा यूरेनियम संवर्धन और जलडमरूमध्य पर उसका नियंत्रण अभी भी कुछ अड़चनों के मुख्य बिंदु हैं।

बिहार का आईपीएल टीम का सपना होगा पूरा? अनिल अग्रवाल की अपील पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का बड़ा ऐलान

बिहार को अपनी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीम मिलने की संभावना तब और बढ़ गई जब मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने वेदांता समूह के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल की राज्य के लिए एक समर्पित क्रिकेट टीम की अपील पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार बिहार में क्रिकेट को मजबूत करने के लिए पूरी लगन से काम कर रही है। इस चर्चा में भारतीय क्रिकेट में बिहार के बढ़ते योगदान पर प्रकाश डाला गया, विशेष रूप से आईपीएल सितारों की नई पीढ़ी और राज्य के घरेलू खिलाड़ियों के माध्यम से। बिहार में क्रिकेट टीम बनाने की अग्रवाल की भावुक अपील के जवाब में, चौधरी ने ए पर लिखा कि सरकार भी यही सोच रखती है और सामूहिक सहयोग से एक सकारात्मक निर्णय लेने का प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि मैं आपसे पूरी तरह सहमत हूँ। बिहार के क्रिकेट प्रेम को देखते हुए सरकार एक स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ पूरी लगन से काम कर रही है। आपके सहयोग से बिहार क्रिकेट टीम के संबंध में निश्चित रूप से एक सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा। अग्रवाल ने जवाब में इस पहल को अपना पूरा समर्थन और सहयोग दिया और बिहार की खेल प्रतिभाओं की सफलता की कामना की। सम्राट चौधरी के ट्वीट के बाद बिहार की खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने भी इस मांग का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि कल सुबह अनिल अग्रवाल ने एक ट्वीट के माध्यम से देश और बिहार के लोगों के सामने अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी इस पहल का स्वागत किया है.. हमारा बुनियादी ढांचा अब पूरी तरह से तैयार है और हम इंडियन प्रीमियर लीग हो या कोई अन्य बड़ा क्रिकेट टूर्नामेंट, किसी भी प्रकार की प्रमुख क्रिकेट प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने में सक्षम हैं। अगर अनिल अग्रवाल जैसे एक प्रमुख उद्योगपति बिहार के लिए एक आईपीएल टीम बनाने के बारे में सोचते हैं, जिसके बैनर तले बिहार के क्रिकेट खिलाड़ी खेल सकें, तो मेरा मानना घ्छै कि यह न केवल मेरा बल्कि बिहार के हर व्यक्ति का सपना सच हो रहा है। इससे पहले, अग्रवाल ने सवाल उठाया था कि कई नामी क्रिकेटरों को जन्म देने के बावजूद बिहार को क्रिकेट के क्षेत्र में वह पहचान और मान्यता क्यों नहीं मिली है जो चेन्नई सुपर किंग्स, मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स जैसी आईपीएल फ्रेंचाइजी वाले राज्यों को प्राप्त है। उन्होंने ट्वीट किया कि क्या आपको नहीं लगता कि बिहार भी चेन्नई सुपर किंग्स, मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स की तरह अपनी एक बेजोड़ टीम का हकदार है? उन्होंने पटना में जन्मे और सबसे तेज वनडे दोहरा शतक बनाने वाले ईशान किशन के साथ–साथ उभरते हुए खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी और साकिब हुसैन का भी जिक्र किया।

पोस्टर प्रतियोगिता के जरिए नर्सिंग छात्राओं ने दिया स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। एसकेएस कॉलेज सबलापुर के बीएससी नर्सिंग द्वितीय सेमेस्टर के छात्र–छात्राओं ने शहर स्थित बद्री प्रसाद मेमोरियल अस्पताल में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस दौरान मरीजों और उनके परिजनों को बेहतर स्वास्थ्य, संतुलित जीवनशैली और स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में छात्रा दीपिका शुक्ला ने शरीर में विटामिन की कमी से होने वाले रोगों तथा उनसे बचाव के लिए आवश्यक पोषक आहार की जानकारी दी। छात्रा खुशी ने कब्ज की समस्या, उसके कारण, लक्षण और बचाव के उपाय बताते हुए पर्याप्त पानी पीने, संतुलित भोजन और नियमित दिनचर्या अपनाने पर जोर दिया। वहीं छात्रा हर्षिका ने व्यक्तिगत एवं सामाजिक स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए साफ–सफाई बेहद आवश्यक है। छात्र–छात्राओं ने पोस्टर प्रतियोगिता के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी संदेशों को सरल और आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मौजूद मरीजों और उनके परिजनों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताया।

ट्रांसफार्मर के पास कूड़े का अंबार, जान जोखिम में डालकर काम कर रहे विद्युत कमह्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद मुख्यालय के हॉस्पिटल रोड स्थित मंदिर के सामने लगे ट्रांसफार्मर पर भीषण गर्मी के बीच विद्युत विभाग के कर्मचारी अपनी जान जोखिम में डालकर मरम्मत कार्य में जुटे हुए हैं, ताकि आम जनता को बिजली संकट से राहत मिल सके। वहीं दूसरी ओर नगर पालिका प्रशासन की बड़ी लापरवाही भी सामने आई है। ट्रांसफार्मर के चारों ओर भारी मात्रा में कूड़े के ढेर लगे होने से कर्मचारियों को कार्य करने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गंदगी और कूड़े के कारण किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विद्युत कर्मी कठिन परिस्थितियों में लगातार कार्य कर रहे हैं, लेकिन नगर पालिका द्वारा समय पर सफाई न कराए जाने से कर्मचारियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय नागरिकों ने नगर पालिका प्रशासन से तत्काल सफाई कराने और ट्रांसफार्मर के आसपास की गंदगी हटाने की मांग की है, ताकि कर्मचारियों को सुरक्षित माहौल में कार्य करने की सुविधा मिल सके और किसी संभावित दुर्घटना को टाला जा सके।

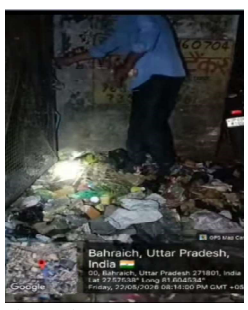

Hkh"k.k xehZ lsjkgrikus xqeM+h ?kkV igqap jgs ;qok] unh esa Luku cu ldrk tkuysok tksf[ke

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद बलरामपुर सहित पूरे उतरौला तहसील क्षेत्र में इन दिनों भीषण गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। तापमान 41 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचने से जनजीवन प्रभावित हो गया है। तेज धूप और उमस भरी गर्मी से राहत पाने के लिए बड़ी संख्या में युवा अब गुमड़ी घाट का रुख कर रहे हैं, जहां कुआनो नदी में घंटों स्नान कर लोग शरीर को ठंडक पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। दोपहर से लेकर शाम तक गुमड़ी घाट क्षेत्र किसी पर्यटन स्थल जैसा नजर आने लगा है। गर्मी से परेशान युवक समूह बनाकर घाट पर पहुंच रहे हैं और नदी में तैराकी व स्नान का आनंद लेते दिखाई दे रहे हैं। घाट के आसपास लोगों की भीड़, वाहनों की आवाजाही और युवाओं की चहल–पहल लगातार बढ़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से यहां आने वालों की संख्या में काफी इजाफा हुआ है। खासकर दोपहर के समय नदी किनारे बड़ी संख्या में युवा और किशोर दिखाई देते हैं। हालांकि, भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए नदी में उतरना कई बार जोखिम भरा भी साबित हो सकता है। पिछले दिनों राप्ती नदी और अन्य जलाशयों में डूबने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं, लेकिन इसके बावजूद युवा वर्ग सतर्कता बरतता नहीं दिखाई दे रहा है। कई युवक गहरे पानी में जाकर तैराकी करते नजर आते हैं, जबकि अधिकांश को नदी की गहराई और तेज बहाव की सही जानकारी भी नहीं होती। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुआनो नदी के कुछ हिस्सों में अचानक गहराई बढ़ जाती है, जिससे हादसे की आशंका बनी रहती है। इसके अलावा नदी में फिसलन, तेज बहाव और भंवर जैसी स्थितियां भी खतरा पैदा कर सकती हैं। बावजूद इसके युवाओं में रोमांच और गर्मी से राहत पाने की चाह के चलते सावधानी की अनदेखी की जा रही है। क्षेत्रीय लोगों ने प्रशासन से घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, चेतावनी बोर्ड लगाने तथा संवेदनशील स्थानों पर निगरानी बढ़ाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते जागरूकता और सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है। चिकित्सकों और जानकारों का भी कहना है कि अत्यधिक गर्मी में शरीर को ठंडा रखने के लिए सावधानी जरूरी है, लेकिन अनियंत्रित तरीके से नदी में स्नान करना खतरे से खाली नहीं है। विशेष रूप से बच्चों और किशोरों को बिना निगरानी गहरे पानी में जाने से बचना चाहिए। भीषण गर्मी के बीच गुमड़ी घाट लोगों के लिए राहत का केंद्र जरूर बनता जा रहा है, लेकिन सुरक्षा और सतर्कता के अभाव में यह राहत कभी भी बड़े हादसे में बदल सकती है।

मजाक में शुरू हुआ विवाद बना जानलेवा, युवक की पिटाई के बाद मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। फखरपुर थाना क्षेत्र के हैबतपुर पंडितपुरवा गांव में मामूली विवाद के बाद युवक की पिटाई कर दी गई। गंभीर हालत में मेडिकल कालेज में भर्ती कराए गए युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। गांव निवासी फूलमती के अनुसार उनके पति चेतराम (45) का दो दिन पहले गांव के ही हीरालाल से मजाक के दौरान विवाद हो गया था। कहासुनी बढ़ने पर दोनों के बीच तनाव हो गया और एक–दूसरे को देख लेने की धमकी दी गई थी। परिजनों का आरोप है कि आरोपी तभी से रंजिश मानकर बैठा था। बताया गया कि बृहस्पतिवार देर रात चेतराम घर से खेत की ओर शौच के लिए गए थे। आरोप है कि रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे हीरालाल ने उन्हें रोक लिया और लात–घूंसे से पिटाई शुरू कर दी। चीख–पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुका था। परिजन घायल चेतराम को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फखरपुर ले गए, जहां हालत गंभीर होने पर उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। वहां इलाज के दौरान शुक्रवार सुबह उनकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है। थाना प्रभारी संजीव चौहान ने बताया कि मृतक की पत्नी की तहरीर पर आरोपी हीरालाल के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। चेतराम की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पत्नी और बच्चों का रो–रोकर बुरा हाल है।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में थाना तुलसीपुर में थाना समाधान दिवस संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद में आयोजित थाना समाधान दिवस पर डीएम डॉ. विपिन कुमार जैन एवं एसपी श्री विकास कुमार द्वारा थाना तुलसीपुर में फरियादियों की शिकायतों एवं समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना गया।इस दौरान थाना स्तर पर प्राप्त प्रार्थना पत्रों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए गए।जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने विशेष रूप से भूमि विवाद तथा कानून–व्यवस्था की .ष्टि से संवेदनशील मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने निर्देशित किया कि ऐसे प्रकरणों में राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर जाकर जांच एवं आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि विवादों का प्रभावी समाधान सुनिश्चित हो सके।उन्होंने कहा कि थाना समाधान दिवस का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण करना है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। संबंधित अधिकारी शिकायतों के निस्तारण में पूर्ण संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा थाना परिसर में आयोजित पीस कमेटी की बैठक में क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों के साथ संवाद किया गया। उन्होंने आगामी त्योहारों को सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाए जाने की अपील करते हुए कहा कि आपसी भाईचारा एवं सामाजिक समरसता जनपद की पहचान है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को त्योहारों को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूर्ण कर लिए जाने के निर्देश भी दिए।थाना समाधान दिवस एवं पीस कमेटी की बैठक में राजस्व, पुलिस तथा संबंधित विभागों के अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

धरती तप रही है, इंसान अब भी सो रहा है

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। ग्लोबल वार्मिंग का असर अब गांवों और शहरों में साफ दिखाई देने लगा है। बढ़ती गर्मी, सूखते जलस्रोत, कटते जंगल और बदलता मौसम लोगों के लिए गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है। उत्तर भारत के कई हिस्सों में तापमान 48 से 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार पेड़ों की कटाई, प्रदूषण और आधुनिक संसाधनों का अत्यधिक उपयोग पृथ्वी का तापमान बढ़ाने में बड़ी वजह बन रहे हैं। नदियां और तालाब सूख रहे हैं, भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है तथा किसानों को खेती में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। श्रावस्ती, बलरामपुर, गोंडा और बहराइच जैसे तराई क्षेत्रों में भी गर्मी का असर तेजी से बढ़ा है। पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले समय में पानी और पर्यावरण को लेकर गंभीर संकट खड़ा हो सकता है। ग्लोबल वार्मिंग से बचाव के लिए पेड़ लगाना, जल संरक्षण करना, प्लास्टिक का कम उपयोग और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होना बेहद जरूरी है। "पेड़ केवल ऑक्सीजन नहीं देते, वे जीवन देते हैं।

जिला महिला अस्पताल में परिजनों किया हंगामा,अस्पताल के गार्ड व परिजनों के बीच मारपीट और गाली–गलौज

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के जिला महिला अस्पताल में शुक्रवार देर शाम एक नवजात बच्ची की मौत के बाद तीमारदार और अस्पताल के गार्ड के बीच मारपीट और गाली–गलौज का मामला सामने आया है। यह घटना शाम करीब 5 बजे हुई, जिसके बाद नगर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।तीमारदारों ने आरोप लगाया है कि वे घटना का वीडियो बना रहे थे, तभी गार्ड ने उनके साथ मारपीट की। वहीं,गार्ड का कहना है कि उसने तीमारदारों को वीडियो बनाने से मना किया,जिसके बाद उन्होंने उससे मारपीट की।इस घटना में नवजात के पिता मेराज अली और अस्पताल के गार्ड दोनों को चोटें आई हैं।महिला अस्पताल के सीएमएस ने भी इस मामले पर बयान दिया है। प्राप्त चर्चा के अनुसार धानेपुर थाना क्षेत्र के धर्मेई गांव निवासी मेराज अली की पत्नी रुबीना शेख ने गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुजेहना में एक बेटी को जन्म दिया था। जन्म के बाद से ही बच्ची की हालत लगातार खराब चल रही थी।परिवार के लोग उसे गुरुवार देर शाम ही गोंडा जिला महिला अस्पताल में भर्ती कराया था।अस्पताल के डॉक्टरों द्वारा बच्ची का इलाज किया जा रहा था,लेकिन शुक्रवार सुबह से उसकी हालत नाजुक बनी हुई थी।बेहतर उपचार के लिए उसे एसएनसीयू वार्ड में भर्ती कराया गया था। हालांकि, हालत में सुधार न होने पर डॉक्टरों ने शुक्रवार शाम करीब 5 बजे बच्ची को बेहतर इलाज के लिए लखनऊ रेफर करने को कहा।मेराज अली का आरोप है कि उन्होंने डॉक्टरों से कहा कि वे बच्ची को लखनऊ नहीं ले जाएंगे, बल्कि घर ले जाना चाहते हैं। इसी दौरान जब वे वीडियो बना रहे थे, तो अस्पताल कर्मियों और गार्ड ने उनके साथ मारपीट की।जिला महिला अस्पताल के सीएमएस डॉक्टर देवेंद्र सिंह ने बताया मेराज अली की पत्नी को एक बच्ची हुई थी। वहॅ छब्ब् वार्ड में हमारे यहां भर्ती थी। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।यह लोग वीडियो बना रहे थे, जब इन लोगों को गार्ड ने मना किया तो मारपीट करने लगे। मौके पर पुलिस को बुला कर मामले को शांत कराया गया है।वहीं सीसीटीवी को लेकर जब पूछा गया तो बताया गया कि उसे जगह पर सीसीटीवी खराब है जहां पर विवाद हुआ है। पीड़ित पति मेराज अली का आरोप है सीसीटीवी ठीक है, लेकिन यह लोग अपनी सच्चाई छुपाने के लिए झूठ बोल रहे हैं। गार्ड ने ही हम लोगों के साथ मारपीट की है।

कप्तानगंज तहसील क्षेत्र में गैलन में डीजल वितरण हेतु अधिकतम 05 लीटर सीमा निर्धारित

कुशीनगर,। उप जिलाधिकारी कप्तानगंज मु० जफर ने बताया है कि तहसील कप्तानगंज अन्तर्गत संचालित पेट्रोल पम्पों पर गैलन एवं ड्रमों में डीजल लेने हेतु अत्यधिक भीड़ एवं लंबी कतारें लग रही हैं। इस स्थिति में किसानों के नाम पर कालाबाजारी करने वाले तत्वों द्वारा अनुचित लाभ उठाए जाने की आशंका भी बनी हुई है। विशेष रूप से जनपद महराजगंज एवं गोरखपुर की सीमा से लगे क्षेत्रों में अतिरिक्त सतर्कता बरतने की आवश्यकता है।

उक्त परिस्थितियों के दृष्टिगत उप जिलाधिकारी ने तहसील कप्तानगंज क्षेत्र में संचालित सभी पेट्रोल पम्पों के प्रोपराइटर एवं प्रबंधकों को निर्देशित किया है कि किसानों की वास्तविक आवश्यकता एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए गैलन में अधिकतम 05 लीटर डीजल ही उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया हैं कि सभी पेट्रोल पम्पों पर सीसीटीवी कैमरे पूर्णतः क्रियाशील अवस्था में रखे जाएं तथा वितरण व्यवस्था पर सतत निगरानी सुनिश्चित की जाए। उप जिलाधिकारी ने स्पष्ट चेतावनी दिया है कि आदेशों का उल्लंघन करने वाले पेट्रोल पम्प संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार विधिक एवं विभागीय कार्यवाही की जाएगी।

त्यौहार के दृष्टिगत जनपद में सोशल मीडिया एवं फर्जी अफवाह फैलाने वालों पर पुलिस व प्रशासन की रहेगी नजर

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में आगामी आयोजित होने वाले ईद–उल–जुहा (बकरीद) त्यौहार को लेकर तैयारियां शुरू हो चुकी है। जहां लोग त्योहार को लेकर उत्साहित हैं।वहीं पुलिस और प्रशासन ने भी कमर कस ली है।इसी के तहत त्योहार पर शांति व्यवस्था व आपसी सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य बृहस्पतिवार को जिला पंचायत सभागार में सेंट्रल पीस कमेटी की मीटिंग की गई।बैठक जिलाधिकारी श्रीमती प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में आयोजित की गई।बैठक में एसपी विनीत जायसवाल,अपर जिलाधिकारी,अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी एवं पूर्वी तथा समस्त उपजिलाधिकारीगण एवं पुलिस क्षेत्राधिकारीगण व सभी थानाध्यक्षगण, सभी धर्मों के धर्मगुरू और सम्भ्रांत नागरिकगण मौजूद रहे।डीएम ने बैठक में मौजूद सभी धर्मगुरुओं और संभ्रांत नागरिकों के साथ संवाद करते हुए उन्हें आगामी ईद–उल–जुहा (बकरीद) त्यौहार को शांति पूर्वक मनाने और किसी भी व्यक्ति की धार्मिक भावनाओं को ठेस न पहुंचाने के बारे में समझाया गया। पुलिस अधिकारियों द्वारा बताया गया कि यदि कोई भी व्यक्ति धार्मिक भावनाएं भड़काने या दुष्प्रचार करने का प्रयास करेगा तो उसके विरुद्ध कड़ी से कड़ी वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। सभी लोगों से अपील करते हुए उन्हें समझाया गया कि वह किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें।साथ ही किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तुरंत पुलिस एवं प्रशासन को सूचना दें। जिससे शांति व्यवस्था बनी रहे और सभी लोग त्योहार को शांति पूर्व ढंग से मना सके।इसके अलावा उन्होंने कहा कि युवा या अन्य कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया पर इस प्रकार की पोस्ट ना करें जिससे कि आपसी माहौल बिगड़े।बैठक में अपर जिलाधिकारी आलोक कुमार, अपर पुलिस,समस्त उप जिलाधिकारीगण,समस्त पुलिस क्षेत्राधिकारीगण,समस्त थानाध्यक्षगण,सभी धर्मों के धर्मगुरु सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

एनसीसी कैंडेटो को अनुशासित एवं आत्मनिर्भर बनाती है-कर्नल सुनील कपूर

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के मनकापुर में स्थित आश्रम पद्धति विद्यालय में शनिवार से एनसीसी का 10 दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण कैंप–159 प्रारंभ हुआ,23 मई से 1 जून तक चलेगा।इस पर शिविर में गोंडा जनपद के इंटरमीडिएट एवं डिग्री कॉलेज से लगभग 600 कैडेट प्रतिभाग कर रहे हैं। शिविर में प्रवेश के पहले सभी कैडेटों के प्रपत्र एवं संख्या का मिलान करने के बाद उन्हें आवंटित आवासीय व्यवस्था में भेजा गया। इस शिविर को प्रारंभ करने में जनपद की जिलाधिकारी श्रीमती प्रियंका निरंजन का महत्वपूर्ण योगदान है, कमान अधिकारी कर्नल सुनील कपूर के अथक प्रयास से विद्युत विभाग, समाज कल्याण विभाग, फायर ब्रिगेड विभाग, चिकित्सा विभाग के सहयोग से यह शिविर प्रारंभ हो रहा है। कैंप कमाडेंट कर्नल सुनील कपूर ने अपने ओपनिंग एड्रेस में कहा कि वर्तमान समय में समाज एवं राष्ट्र को शिक्षा के साथ अनुशासित एवं आत्मनिर्भर बनाने में हमारा विशेष योगदान है। एनसीसी कैडेट्स इस उद्देश्य को पूरा करने में सक्षम है। शिविर में प्रवेश के उपरांत सभी एक सूत्र में बंध जाएंगे। इस शिविर में विभिन्न प्रकार के प्रतियोगिताएं आयोजित होगी । डिप्टी कैंप कमाडेंट लेटिनेंट कर्नल गौरव तिवारी ने कहा कि शिविर से सम्बंधित सम्पूर्ण तैयारी हो गई है। कैडेटों की सारी व्यवस्थाएं पूरी हो चुकी है हर बिंदु पर तैयारी कर ली गई है। कैंप संचालन में एनसीसी अधिकारी सहित सेना के अधिकारी एवं जवानों का विशेष योगदान है।

Hkh"k.k xehZ dks ysdj ç'kklu lrdZ] ftykfèkdkjh us tkjh dh egRoiw.kZ ,Mokbtjh

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। जनपद सोनभद्र में लगातार बढ़ते तापमान एवं भीषण गर्मी के चलते हीटवेव (लू) की स्थिति गंभीर होती जा रही है। मौसम विभाग द्वारा आगामी दिनों में तापमान में और वृद्धि की संभावना जताई गई है। पहाड़ी एवं गर्म जलवायु वाले जनपद सोनभद्र में लू का प्रभाव आमजन के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर डाल सकता है। इसे .ष्टिगत रखते हुए जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने समस्त जनपदवासियों से विशेष सतर्कता एवं सावधानी बरतने की अपील की है। जिलाधिकारी ने कहा कि अत्यधिक गर्मी एवं लू का प्रभाव विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं, श्रमिकों एवं

बीमार व्यक्तियों पर अधिक पड़ता है। ऐसे में सभी नागरिक स्वयं एवं अपने परिवार के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा–निर्देशों का पालन करें। उन्होंने बताया कि जनपद प्रशासन द्वारा हीटवेव से बचाव हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। स्वास्थ्य विभाग को पर्याप्त दवाओं, ओआरएस, प्राथमिक उपचार एवं चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए हैं। नगर निकायों को पेयजल व्यवस्था सुचारु बनाए रखने तथा विद्युत विभाग को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया है। साथ ही श्रम विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों को व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि दोपहर 12 बजे से अपराह्न 4 बजे तक अत्यधिक आवश्यक कार्य होने पर ही घर से बाहर निकलें। बाहर निकलते समय सिर को कपड़े, टोपी अथवा छाते से ढककर रखें तथा पर्याप्त मात्रा में पानी एवं अन्य तरल पदार्थों का सेवन करते रहें। हल्के रंग के सूती एवं ढीले कपड़े पहनें तथा निर्जलीकरण से बचने के लिए नियमित अंतराल पर पानी पीते रहें। उन्होंने कहा कि खेतों, निर्माण स्थलों एवं खुले स्थानों पर कार्य करने वाले श्रमिक समय–समय पर विश्राम अवश्य करें।

बच्चों एवं बुजुर्गों को अनावश्यक रूप से धूप में बाहर न जाने दें। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि यदि किसी व्यक्ति में चक्कर आना, उल्टी, तेज बुखार, अत्यधिक कमजोरी अथवा बेहोशी जैसे लक्षण दिखाई दें तो तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क करें एवं चिकित्सकीय सहायता प्राप्त करें। हीटवेव से बचाव हेतु क्या करें:–पर्याप्त मात्रा में पानी एवं तरल पदार्थों का सेवन करें। धूप में निकलते समय सिर एवं शरीर को ढककर रखें। हल्के रंग के सूती एवं ढीले कपड़े पहनें। बच्चों, बुजुर्गों एवं बीमार व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखें। घर एवं कार्यस्थल पर पर्याप्त वेंटिलेशन बनाए रखें। क्या न करें–खाली पेट धूप में बाहर न निकलें। अत्यधिक धूप में लगातार कार्य न करें। बंद वाहनों में बच्चों अथवा पशुओं को अकेला न छोड़ें। अत्यधिक गर्म एवं मसालेदार भोजन का सेवन न करें। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने समस्त जनपदवासियों से अपील की कि हीटवेव को गंभीरता से लेते हुए सावधानी बरतें तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल संबंधित विभाग अथवा स्वास्थ्य सेवाओं से संपर्क करें। प्रशासन द्वारा जनहित में जारी दिशा–निर्देशों का पालन कर स्वयं एवं अपने परिवार को सुरक्षित रखें।

ईद–उल–जुहा (बकरीद) पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने हेतु पीस कमेटी की बैठक 24 मई को

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। आगामी ईद–उल–जुहा (बकरीद) पर्व दिनांक 28 मई, 2026 को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से जनपद स्तर पर पीस कमेटी की बैठक आयोजित की जाएगी। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा की अध्यक्षता में यह बैठक दिनांक 24 मई, 2026 (रविवार) को सायं 05:30 बजे आयोजित की जाएगी, जिसमें जनपद के विभिन्न धर्मगुरुओं, जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। बैठक के माध्यम से पर्व के दौरान कानून–व्यवस्था, आपसी सौहार्द, साफ–सफाई, विद्युत एवं पेयजल व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की जाएगी, ताकि त्योहार को शांति एवं भाईचारे के वातावरण में संपन्न कराया जा सके। समस्त उप जिलाधिकारी एवं क्षेत्राधिकारी को निर्देशित किया गया है कि वे अपने–अपने क्षेत्रों के धर्मगुरुओं एवं संबंधित व्यक्तियों को बैठक में समय से प्रतिभाग कराने हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें।

फैमिली आईडी बनवाने पर राशन कार्ड की, पात्रता पर नहीं पड़ेगा कोई प्रभाव–जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने अवगत कराया है कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित 'फैमिली आईडी–एक परिवार एक पहचान योजना' के संबंध में शासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि फैमिली आईडी बनवाने से राशन कार्ड की पात्रता प्रभावित नहीं होगी। ऐसे परिवार जो वर्तमान में राशन कार्ड से आच्छादित नहीं हैं, वे फैमिली आईडी पोर्टल के माध्यम से अपना फैमिली आईडी बनवा लें, तथा पात्रता के अनुसार भविष्य में कभी भी राशन कार्ड हेतु आवेदन कर सकेंगे। राशन कार्ड निर्गत होने के बाद भी वही संख्या परिवार की फैमिली आईडी मानी जाएगी। वहीं अपात्र हो चुके राशन कार्ड धारकों के लिए अलग प्रक्रिया से फैमिली आईडी जारी की जाएगी। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि आमजन में फैली भ्रांतियों को दूर करते हुए योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कराया जाए।

हीटवेव के दृष्टिगत सोनभद्र के मदरसों में 31 मई तक शिक्षण कार्य स्थगित

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। जनपद में लगातार बढ़ते तापमान एवं मौसम विभाग द्वारा जारी हीटवेव चेतावनी को देखते हुए छात्र–छात्राओं के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के मद्देनज़र महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सोनभद्र द्वारा जारी आदेश के अनुसार उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड से मान्यता प्राप्त एवं संचालित समस्त मदरसों में शिक्षण कार्य तत्काल प्रभाव से दिनांक 31 मई 2026 तक स्थगित कर दिया गया है। यह निर्णय रजिस्ट्रार उ०प्र० मदरसा शिक्षा बोर्ड के पत्रांक–125 दिनांक 22 मई 2026 तथा जिलाधिकारी सोनभद्र की अनुमति दिनांक 23 मई 2026 के क्रम में लिया गया है। आदेश में कहा गया है कि वर्तमान ग्रीष्म ऋतु में तापमान सामान्य से काफी अधिक रहने की संभावना है, जिससे बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा अधिकारी ने समस्त अनुदानित एवं मान्यता प्राप्त मदरसों के प्रबंधक एवं प्रधानाचार्यों को आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

पॉक्सो एक्ट : दोषी राजू को बीस वर्ष के कठोर कारावास की सजा

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। करीब साढ़े 4 वर्ष पूर्व 9 वर्ष की नाबालिग बालिका के साथ चाकू दिखाकर जबरन दुष्कर्म करने का प्रयास मामले में अपर सत्र न्यायाधीश/ विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट ओमकार शुक्ला की अदालत ने शनिवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी राजू हरिजन उर्फ रामनिवास को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। उसके ऊपर 11 हजार रूपये अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड अदा न करने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी। वहीं अर्थदंड की सम्पूर्ण धनराशि 11 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक रॉबर्ट्सगंज थाना क्षेत्र निवासी पीड़िता की मां ने 9 जनवरी 2022 को रॉबर्ट्सगंज थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि 30 दिसंबर 2021 को शाम 5 बजे उसकी 9 वर्षीय नाबालिग बेटी को राजू हरिजन उर्फ रामनिवास पुत्र घुरफेकन निवासी बढ़ौली , थाना रॉबर्ट्सगंज , जिला सोनभद्र अपने घर पर बुलाकर ले गया और दरवाजा बंद कर लिया। इसके बाद चाकू दिखाकर बेटी से कहा कि जैसा मैं कहूंगा वैसा तुम करना नहीं तो जान से मार देंगे। उसके बाद जबरन दुष्कर्म करने का प्रयास किया,लेकिन बेटी किसी तरह अपनी जान बचाकर भाग आई और आपबीती सुनाई। इस तहरीर पर रॉबर्ट्सगंज कोतवाली पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। विवेचना के दौरान पर्याप्त सबूत मिलने पर विवेचक ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने,6 गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी राजू हरिजन उर्फ रामनिवास (29) वर्ष को बीस वर्ष का कठोर कारावास एवं 11 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी। वही अर्थदंड की सम्पूर्ण धनराशि 11 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी वकील दिनेश प्रसाद अग्रहरि, सत्यप्रकाश त्रिपाठी व नीरज कुमार सिंह ने बहस की।

ऑगनबाड़ी केन्द्रों पर आने वाले बच्चों हेतु 22 मई से 15 जून तक अवकाश घोषित

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। जिला कार्यक्रम अधिकारी विनीत कुमार सिंह ने अवगत कराया है कि ऑगनबाड़ी केन्द्र, जहाँ छोटे–छोटे बच्चों को ऑगनबाड़ी कार्यकत्रियों के द्वारा विभागीय सुविधाएं उपलब्ध कराते हुए तमाम गतिविधियाँ कराई जाती हैं। वर्तमान में भीषण गर्मी एवं लू के कारण आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आने वाले बच्चे धर्मी एवं लूष से प्रभावित हो सकते हैं। गर्मी एवं लू को .ष्टिगत रखते हुए ऑगनबाड़ी केन्द्रों पर आने वाले बच्चों का दिनांक 22.05.2026 से दिनांक 15.06.2026 तक अवकाश घोषित किया जाता है। उक्त अवधि में ऑगनबाड़ी कार्यकत्री का जिनका बी०एल०ओ० में ड्यूटी लगा है वे यथावत् कार्य करती रहेगी साथ ही सभी ऑगनबाड़ी केन्द्र खुले रहेंगे तथा ऑगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं द्वारा ऑगनबाड़ी केन्द्र की अन्य आवश्यक सुविधाएं जैसे– गृह भ्रमण, सामुदायिक गतिविधियाँ, टीकाकरण, अनुपूरक पुष्टाहार वितरण एवं पोषण ट्रैकर एप पर फीडिंग आदि समस्त शासकीय कार्यों का निष्पादन पूर्ववत् किया जायेगा।

आवेदक की फ्राड हुई 27,000/– रुपये की धनराशि करायी गयी वापस

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। आवेदक गोविन्द प्रसाद गुप्ता पुत्र स्व0 दूधनाथ

निवासी ग्राम बीजपुर, जनपद सोनभद्र के साथ अज्ञात व्यक्ति द्वारा 27,000/– रुपये की साइबर ठगी कर ली गयी थी। उक्त प्रकरण के संबंध में आवेदक द्वारा राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नम्बर 1930 पर कॉल कर ऑनलाइन शिकायत दर्ज करायी गयी थी। साइबर अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, क्षेत्राधिकारी दुद्धी के निर्देशन तथा थानाध्यक्ष बीजपुर के कुशल नेतृत्व में थाना बीजपुर की साइबर टीम द्वारा 'छब्ब्त्च् पोर्टल' का अवलोकन कर प्रकरण की जांच की गयी। जांच के दौरान आवश्यक साक्ष्य संकलित कर संबंधित बैंक शाखा से ई–मेल के माध्यम से पत्राचार किया गया, जिसके फलस्वरूप आवेदक की फ्राड हुई '27,000/– रुपये' की धनराशि सफलतापूर्वक उसके मूल बैंक खाते में वापस करायी गयी। धनराशि वापस प्राप्त होने पर आवेदक द्वारा थाना बीजपुर पुलिस की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया गया।

सीएम डैशबोर्ड योजनाओं की प्रगति की जिलाधिकारी ने की समीक्षा, समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने आज कलेक्ट्रेट स्थित जनसुनवाई कक्ष में अधिकारियों के साथ बैठक कर सीएम डैशबोर्ड पर संचालित विभिन्न योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं का क्रियान्वयन पूरी गंभीरता एवं गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने पीएम सूर्यघर योजना के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश देते हुए कहा कि लीड बैंक मैनेजर एवं संबंधित विभाग आपसी समन्वय

स्थापित कर पात्र आवेदकों को योजना का लाभ उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि यह सरकार की महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजना है, इसलिए इसमें किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में जिलाधिकारी ने स्वयं सहायता समूहों के गठन, जल जीवन मिशन, फैमिली आईडी, आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों को पोषाहार वितरण सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप सभी कार्य समयबद्ध ढंग से पूर्ण किए जाएं। बैठक में जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी संतपाल वर्मा, जिला समाज कल्याण अधिकारी झान्देंद्र सिंह भदौरिया, जिला कार्यक्रम अधिकारी विनीत सिंह, डीसी मनरेगा रविंद्र वीर सिंह सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को निःशुल्क राशन वितरण 25 मई से 10 जून तक

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। जिला पूर्ति अधिकारी, ध्रुव गुप्ता ने अवगत कराया है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम–2013 के अन्तर्गत माह जून 2026 हेतु अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी लाभार्थियों को निःशुल्क खाद्यान्न वितरण किया जायेगा। यह वितरण जनपद की समस्त उचित दर दुकानों पर दिनांक 25 मई 2026 से 10 जून 2026 तक किया जाएगा।अन्त्योदय कार्डधारकों को प्रति कार्ड 35 किलोग्राम खाद्यान्न (10 किलोग्राम गेहूं एवं 25 किलोग्राम चावल) निःशुल्क उपलब्ध कराया जायेगा। वहीं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रति यूनिट 05 किलोग्राम खाद्यान्न (01 किलोग्राम गेहूं एवं 04 किलोग्राम चावल) निःशुल्क वितरित किया जाएगा। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि खाद्यान्न वितरण ई–पॉस मशीन के माध्यम से ओटीपी आधारित अथवा मोबाइल ओटीपी सत्यापन के जरिए किया जाएगा। जिन कार्डधारकों का आधार प्रमाणीकरण किसी कारणवश संभव नहीं हो पा रहा है, वे मोबाइल ओटीपी वेरिफिकेशन के माध्यम से भी खाद्यान्न प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने समस्त कार्डधारकों से अपील की है कि निर्धारित अवधि के भीतर अपने निकटतम उचित दर विक्रेता की दुकान से खाद्यान्न प्राप्त कर लें तथा वितरण के समय ई–केवाईसी अवश्य कराएं, जिससे भविष्य में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

थाना समाधान दिवस में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने सुनीं जन शिकायतें, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। जनपद में आयोजित थाना समाधान दिवस के अवसर पर चर्चित गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक वर्मा ने आज थाना रॉबर्ट्सगंज पहुंचकर फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। थाना समाधान दिवस के दौरान पहुंचे नागरिकों ने भूमि विवाद, अतिक्रमण, आपसी विवाद एवं अन्य समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों से प्रकरणों की जानकारी प्राप्त की तथा मौके पर जाकर निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप थाना समाधान दिवस में प्राप्त होने वाली शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। उन्होंने राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी प्रकरणों में मौके पर पहुंचकर जांच की जाए तथा गुणवत्तापूर्ण रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की शिथिलता अथवा लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि फरियादियों की समस्याओं का समाधान संवेदनशीलता एवं पारदर्शिता के साथ किया जाए, ताकि आमजन को त्वरित न्याय मिल सके। थाना समाधान दिवस में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जनसमस्याओं के प्रति उत्तरदायी एवं सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए गए।

अवैध परिवहन एवं नियम विरुद्ध संचालित वाहनों पर रॉबर्ट्सगंज पुलिस का बड़ा एक्शन, 04 अभियुक्त गिरतार, 04 फोरव्हीलर व 01 ट्रक सीज

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा जनपद में अवैध खनन, पासरों की गतिविधियों तथा बिना नम्बर प्लेट/काली फिल्म लगे वाहनों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही एवं कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा के निर्देशन में थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान 04 फोरव्हीलर वाहन बिना नम्बर प्लेट एवं काली फिल्म लगे पाए गए, जो बिना परमिट उपखनिज से लदे वाहनों को पास कराने में प्रयुक्त हो रहे थे। साथ ही 01 ट्रक अवैध रूप से राखड़, गिट्टी एवं बालू आदि के परिवहन में प्रयुक्त पाया गया। उक्त सभी वाहनों के विरुद्ध धारा 207 एमवी एक्ट के अंतर्गत ई–चालान/सीज की कार्यवाही की गई। इस दौरान पुलिस द्वारा 04 अभियुक्तों को गिरतार कर उनके विरुद्ध विधिक कार्यवाही की गई।सोनभद्र पुलिस द्वारा जनपद में अवैध गतिविधियों, यातायात नियमों के उल्लंघन एवं शांति व्यवस्था प्रभावित करने वाले तत्वों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी है।

ईदुज्जुहा पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने लिए जिला प्रशासन ने 02 सुपर जोनल, 06 जोनल एवं 38 सेक्टर मजिस्ट्रेट किया तैनात

कुशीनगर। कुशीनगर जिला प्रशासन ने जनपद में आगामी ईदुज्जुहा, बकरीद पर्व को शांति एवं सौहार्द पूर्ण माहौल में सकुशल सम्पन्न कराने के उद्देश्य से व्यापक प्रशासनिक एवं सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित की है। पर्व के दृष्टिगत जनपद के समस्त संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिये गये हैं। जिलाधिकारी, जिला मजिस्ट्रेट महेंद्र सिंह तंवर द्वारा जारी आदेश के अनुसार 27 मई से 29 मई तक जनपद के विभिन्न तहसीलों, थाना क्षेत्रों एवं पुलिस चौकियों पर 02 सुपर जोनल मजिस्ट्रेट, 06 जोनल मजिस्ट्रेट एवं 38 सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात किया गया है। समस्त अधिकारी अपने–अपने आवंटित क्षेत्रों में सतत भ्रमणशील रहकर कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखना सुनिश्चित करेंगे। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया है कि सभी तैनात मजिस्ट्रेट स्थानीय पुलिस अधिकारियों, थाना प्रभारियों एवं चौकी इंचार्ज से समन्वय स्थापित कर सार्वजनिक स्थलों, धार्मिक स्थलों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखें। किसी भी प्रकार की अफवाह, विवाद अथवा शांति व्यवस्था प्रभावित करने वाली गतिविधियों पर तत्काल प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।उन्होंने कहा कि वर्तमान में लागू धारा 163 के प्रावधानों का कड़ाई से अनुपालन कराया जाय तथा शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाये रखा जाय। सभी अधिकारी अपने तैनाती स्थल पर उपस्थित रहकर समय–समय पर उच्चाधिकारियों को वस्तुस्थिति से अवगत कराते रहेंगे। पर्व के दौरान त्वरित समन्वय एवं निगरानी हेतु कलेक्ट्रेट परिसर में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिसका दूरभाष नंबर 05564–240090 निर्धारित किया गया है। कंट्रोल रूम में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगायी गयी है। जो लगातार अधिकारियों से संपर्क स्थापित कर स्थिति की जानकारी प्राप्त करेंगे।जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील किया है कि ईदुज्जुहा पर्व को आपसी भाईचारे, सौहार्द एवं शांति के वातावरण में मनाएं तथा किसी भी प्रकार की भ्रामक सूचना अथवा अफवाह पर ध्यान न दें प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं तथा कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

ओवरलोड एवं मानक विहीन भारी वाहनों के विरुद्ध थाना शक्तिनगर पुलिस की बड़ी कार्यवाही, 05 वाहन सीज–

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान तथा वाहन चेकिंग/ओवरलोड भारी वाहनों के विरुद्ध प्रवर्तन अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के निर्देशन में थाना शक्तिनगर पुलिस द्वारा उप–सम्भागीय परिवहन अधिकारी, जनपद सोनभद्र के सहयोग से संयुक्त चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान कुल 05 अदद ट्रेलर/डम्फर, जिन पर राखड़, गिट्टी एवं बालू आदि लदा हुआ था, को निर्धारित मानकों के अनुरूप न पाए जाने पर नियमानुसार सीज की कार्यवाही करते हुए थाना शक्तिनगर परिसर में खड़ा कराया गया। साथ ही संबंधित विभागों को आवश्यक विधिक कार्यवाही हेतु रिपोर्ट प्रेषित की गई। सोनभद्र पुलिस द्वारा जनपद में ओवरलोड एवं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक:– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

मोहनलाल की दृश्यम 3 के आते ही राजा शिवाजी को लगा तगड़ा झटका, तीसरे गुरुवार लाखों में सिमटी कमाई

राजा शिवाजी ने सिनेमाघरों में तीन हफ्ते पूरे कर लिए हैं और ये फिल्म अब भी बॉक्स ऑफिस पर मजबूत बनी हुई है. रितेश देशमुख निर्देशित इस फिल्म ने खासतौर पर महाराष्ट्र में अच्छा परफॉर्म किया है. अब ये फिल्म भारत में 100 करोड़ का आंकड़ा छूने के करीब पहुंच रही है. लेकिन तीसरे गुरुवार यानी 21वें दिन इसे मोहनलाल की दृश्यम 3 से टक्कर मिली है. चलिए यहां जानते हैं श्राजा शिवाजीच्य ने रिलीज के 21वें दिन यानी तीसरे गुरुवार को कितना कलेक्शन किया है?

श्राजा शिवाजीच्य 1 मई को सिनेमाघरों में मराठी और हिंदी भाषा में रिलीज हुई थी. रितेश देशमुख निर्देशित और स्टारर इस फिल्म को दर्शकों से रिलीज के पहले दिन से भरपूर प्यार मिल है. इसी के साथ इसने बॉक्स ऑफिस पर उम्मीदों से ज्यादा शानदार परफार्म किया है.

गौरतलब है कि इस फिल्म ने अपनी रिलीज के दो हफ्तें में जमकर कमाई की वहीं तीसरे हफ्ते में इसके कलेक्शन में गिरावट देखी गई लेकिन फिर भी इसने खूब नोट छापे. अच्छी बात ये है कि श्राजा शिवाजीच्य अपना 75 करोड़ का बजट तो दूसरे हफ्ते में ही वसूल चुकी थी वहीं अब तो ये मुनाफा कमाने में जुटी हुई है. हालांकि अब इस फिल्म को नई रिलीज दृश्यम 3 से मुकाबला करना पड़ रहा है. मोहनलाल की इस फिल्म के आने से श्राजा शिवाजीच्यकी कमाई को तीसरे गुरुवार को झटका लगा है और इसने पहली बार लाखों में कमाई की है.

इसी के साथ फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो श्राजा शिवाजीच्य के पहले वीक की कमाई 52.65 करोड़ रुपये रही थी. इसके बाद दूसरे हफ्ते में इसने 24.30 करोड़ जोड़े. फिर तीसरे हफ्ते के 15वें दिन इसने 1.45 करोड़, 16वें दिन 2.70 करोड़, 17वें दिन 3.45 करोड़, 18वें दिन 1.15 करोड़, 19वें दिन 1.30 करोड़ और 20वें दिन 1.10 करोड़ का कलेक्शन किया.

वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक रिलीज के 21वें दिन यानी तीसरे गुरुवार को श्राजा शिवाजीच्य ने 1 करोड़ कमाए हैं. इसी के साथ श्राजा शिवाजीच्य ने तीसरे हफ्ते में 11.77 करोड़ बटोरे. अब फिल्म की 21 दिनों की भारत में कुल नेट कमाई अब 89 करोड़ रुपये हो गई है.

श्राजा शिवाजीच्य को 75 करोड़ की लागत में बनाया गया है वही रिलीज के 21 दिनों में सैकनिल्क के मुताबिक इस फिल्म ने 88.95 करोड़ रुपये कमा लिए हैं. इसी के साथ इसका 14 करोड का रेट ऑफ इटरेंस्ट कमा लिया है. वहीं प्रतिशत में इसने 18.6 फीसदी मुनाफा कमा लिया है.

बता दें कि श्राजा शिवाजीच्यमें रितेश देशमुख के कलाकार कई बॉलीवुड कलाकारों ने अहम रोल प्ले किया है. इनमें अभिषेक बच्चन, संजय दत्त, विद्या बालन, जेनेलिया डिसूजा, बोमन ईरानी से लेकर फरदीन खान तक कई कलाकार शामिल हैं.

वहीं पति पत्नी और वो दो ने 7वें दिन 2 करोड़ रुपये कमाए हैं। फिल्म का कुल घरेलू कलेक्शन 29 करोड़ रुपये हो गया है।

हालांकि इन फिल्मों की मुश्किलें बढ़ाने अनन्या पांडे की चांद मेरा दिल 22 मई को रिलीज हो गई है।

शरवरी वाघ को बेहद पसंद आई पंजाब की संस्कृति, बोलीं– वहां के लोग बेहतरीन

अभिनेत्री शरवरी वाघ अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर उत्साहित हैं। फिल्म के प्रमोशन में जुटीं शरवरी ने बताया कि उन्होंने किरदार को बेहतर तरीके से समझने के लिए अपनी मां के साथ पंजाब की यात्रा की थी। उन्हें पंजाब का कल्चर और वहां के लोग काफी पसंद आए। शरवरी ने कहा, मेरा बैकग्राउंड महाराष्ट्रीयन है। पंजाब की संस्कृति, वहां के लोगों और खाने को

समझने के लिए मैं वहां जाना चाहती थी। इम्तियाज अली पंजाब के बारे में इतने प्यार से बात करते हैं कि मुझे लगा, मुझे खुद वहां जाकर सब कुछ महसूस करना चाहिए, वहां के बारे में समझना चाहिए।

उन्होंने आगे बताया, मैं इम्तियाज से पंजाब के बारे में सुनकर महसूस करती थी कि कहीं ना कहीं मुझमें कमी है, इसलिए मैं अपनी मां को साथ लेकर पंजाब चली गई। हम वहां घूमे–फिरे और पर्यटक वाली सारी चीजें कीं, खाना खाया, ऐतिहासिक जगहों पर गए और पार्टीशन म्यूजियम भी घूमे।

शरवरी ने कहा कि वे नई चीजों को हमेशा पहली बेंच पर बैठने वाले स्टूडेंट की तरह उत्साह से सीखती हैं। उन्होंने बताया, मुझे नोट्स बनाना, रिसर्च करना और नई चीजें जानना बहुत पसंद है। पंजाब जाने से पहले मैंने इम्तियाज से कहा भी था कि मुझे स्क्रिप्ट पढ़ने से पहले वहां जाना है।

अभिनेत्री ने पंजाब के लोगों की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा, मैंने वहां सब कुछ बिना किसी रिसर्च प्रेशर के किया। बस इसलिए कि मुझे उस जगह से प्यार हो जाए और सच में मुझे पंजाब से प्यार हो गया। मुझे लगता है कि पंजाब के लोग दुनिया के सबसे अच्छे लोगों में शामिल हैं।

निर्देशक इम्तियाज अली की फिल्म श्मैं वापस आऊंगाच्य में शरवरी एक पंजाबी महिला का किरदार निभा रही हैं। फिल्म में उनके साथ वेदांग रैना भी अहम किरदार में हैं। श्मैं वापस आऊंगाच्य 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

मां बहन का ट्रेलर जारी, अदाओं से नहीं, हत्या से धक–धक कराने आईं माधुरी दीक्षित

माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी की डार्क कॉमेडी ड्रामा फिल्म मां बहन का ट्रेलर रिलीज हो गया है। जैसी उम्मीद की जा रही थी, फिल्म अफरा–तफरी, अप्रत्याशित मोड़ और हास्य परिस्थितियों से भरपूर होने वाली है। निर्देशन की कमान सुरेश त्रिवेनी ने संभाली है, जो विद्या बालन की फिल्म तुम्हारी सुलु के निर्देशक रह चुके हैं। कहानी एक मां और उसकी 2 बेटियों के इर्द–गिर्द बुनी गई है, जिसमें तड़का लगाने का काम रवि किशन ने किया है।

ट्रेलर की शुरुआत रेखा (माधुरी) से होती है, जो कॉलोनी की रानी है और उसकी एक झलक का मोहल्ला दीवाना है। उसकी बड़ी बेटी जया (तृप्ति) शादीशुदा है और छोटी बेटी सुषमा (धर्णा दुर्गा) रील्स की दीवानी है। तीनों की जिंदगी में तब भूचाल आता है, जब गुप्ता (रवि) की उनके घर पर हत्या हो जाती है। बस यहीं से कहानी में उठा–पटक शुरू हो जाती है। कुल मिलाकर ट्रेलर मजेदार है। फिल्म 4 जून को नेटफिलक्स पर स्ट्रीम होगी।

फिल्म को तुम्हारी सुलु और जलसा जैसी शानदार फिल्में बनाने वाले डायरेक्टर सुरेश त्रिवेणी ने डायरेक्ट किया है. जानकारी के मुताबिक, श्मां बहनच्य एक ऐसी कहानी है, जिसमें एक मां और उसकी अलग रह रही बेटियां अचानक एक बड़े क्राइम में फंस जाती हैं. इसके बाद शुरू होता है झूठ, राज और अजीब घटनाओं का सिलसिला. नेटफिलक्स के ऑफिशियल अकाउंट पर फिल्म का टीजर रिलीज करते हुए लिखा है कि धक–धक हो रहा है? इसके साथ ही फिल्म की रिलीज डेट 4 जून को बताया गया है.

फिल्म में माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी की जोड़ी पहली बार इतनी अलग शैली में दिखाई देगी. वहीं रवि किशन भी अपने दमदार अंदाज से कहानी में नया ट्विस्ट लाने वाले हैं. इसके अलावा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर से एक्ट्रेस बनीं धारणा दुर्गा भी इस फिल्म का अहम हिस्सा हैं. मेकर्स का दावा है कि फिल्म में फैमिली ड्रामा, कॉमेडी, थ्रिल और इमोशनल मोमेंट्स का जबरदस्त कॉम्बिनेशन देखने को मिलेगा. श्मां बहनच्य को नेटफिलक्स पर रिलीज किया जाएगा.

करुप्पु महज एक हफ्ते में वर्ल्डवाइड हुई 200 करोड़ के पार, बनी सूर्या के करियर की सबसे बड़ी फिल्म

आरजे बालाजी द्वारा निर्देशित सूर्या की हालिया रिलीज फिल्म करुप्पु को सिनेमाघरों में दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है, इस एक्शन–कॉमेडी फैंटेसी फिल्म ने धमाकेदार शुरुआत की थी और इसके बाद इसने वीकेंड पर बंपर कमाई की. और अब रिलीज के महज 7 दिन में ये फिल्म सूर्या के करियर की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक बन गई है. चलिए यहां करुप्पु का 7वें दिन का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन जानते हैं.

करुप्पु सूर्या के करियर के लिए एक संजीवनी साबित हुई है. एक्टर की पिछली कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर ठंडी साबित हुई थी. ऐसे में अब करुप्पु ने एक्टर की अदद हिट की ख्वाहिश पूरी कर दी है. बता दं कि फिल्म मेकर्स ने अब ऑफिशियली अनाउंस किया है कि करुप्पु ने दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर 207 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. इससे पहले, फिल्म ने रिलीज के सिर्फ तीन दिनों में 147 करोड़ रुपये कमाए थे, इस उपलब्धि के साथ, करुप्पु सूर्या के करियर की पहली फिल्म बन गई है जिसने एक हफ्ते के भीतर 200 करोड़ रुपये के क्लब में एंट्री की है.

खबरों के अनुसार, यह फिल्म केरल में सूर्या की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है. ट्रेड एनालिस्टों का मानना है कि स्ट्रॉन्ग वर्ड ऑफ माउथ के चलते आने वाले दिनों में फिल्म का कलेक्शन और बढ़ सकता है.

आरजे बालाजी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में सूर्या ने लीड रोल प्ले किया है. उनके साथ इंद्रन्स, नट्टी सुब्रमण्यम, स्वासिका, शिवदा और सुप्रीत रेड्डी भी हैंय फिल्म में भरपूर एक्शन सीन, कोर्टरूम ड्रामा और इमोशनल पल हैं, जिनमें सूर्या को न्याय के लिए लड़ते हुए कोर्ट के अंदर और बाहर दोनों जगह दुश्मनों का सामना करते दिखाया गया है. फिल्म में तृषा कृष्णन ने प्रीति नाम की वकील और आरजे बालाजी ने बेबी कन्नन का किरदार निभाया है. फिल्म का म्यूजिक साई अभ्यंकर ने दिया है, सिनेमैटोग्राफी जी. के. विष्णु ने और एडीटिंग आर. कलैवनन ने की है.

करुप्पु की सफलता के बाद, सूर्या फिलहाल वाथी और लकी भास्कर फेम वेंकी अटुलुरी द्वारा निर्देशित विश्वनाथन एंड संस पर काम कर रहे हैं. ये फिल्म जुलाई में सिनेमाघरों में रिलीज होने की उम्मीद हैय इसके बाद, सूर्या मलयालम ब्लॉकबस्टर आवेशम के निर्देशक जीतू माधवन के साथ भी काम करेंगेय करुप्पु के बॉक्स ऑफिस पर नए रिकॉर्ड बनाने के बाद, सूर्या के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर फैंस और फिल्म जगत में उम्मीदें काफी बढ़ गई हैं.

कार्यालय : नगरपालिका परिषद- सिद्धार्थनगर, जनपद- सिद्धार्थनगर

अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेण्ट निविदा सूचना

सर्वसम्बन्धित को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025–26 में नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर में प्राप्त 15वाँ वित्त आयोग (बुनियादी अनुदान) अन्तर्गत प्राप्त धनराशि (प्रथम एवं द्वितीय किश्त) एवं 02 प्रतिशत अतिरिक्त स्टाम्प शुल्क अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से नगर पालिका सीमान्तर्गत निर्माण कार्यों हेतु ई–निविदा प्रतिशत दर पर आमन्त्रित किया जाता है। निविदादाता एक या एक से अधिक कार्यों हेतु निविदा डाल सकता है। निविदा प्रपत्र आन लाइन उपलब्ध हैं, जो आन लाइन http://etender.up.nic.in पर ही डाउनलोड व अपलोड किया जायेगा, जिसका विवरण निम्नवत् है–

A	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्रकाशित की तिथि	25/05/2026
B	वेबसाइट पर ऑनलाइन निविदा डाउनलोड की तिथि	25/05/2026 को अपराह्न 11:00 बजे से
C	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा डालने की अन्तिम तिथि व समय	15/06/2026 को अपराह्न 04:00 बजे तक
D	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से तकनीकी निविदा खोलने की तिथि व समय	16/06/2026 को प्रातः 11:00 बजे
E	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से वित्तीय निविदा खोलने की तिथि व समय	17/06/2026 को प्रातः 11:00 बजे
F	ई–निविदा खोलने का स्थान	कार्यालय नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर।

उक्त निर्माण कार्य से सम्बन्धित अधिक जानकारी http://etender.up.nic.in पर पर उपलब्ध है तथा उक्त निविदा के बारे में कार्यालय नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर नोटिस बोर्ड पर चस्पा निविदा सूचना से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
सिद्धार्थनगर

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
सिद्धार्थनगर

पत्रांक–334/न0पा0परि0सि0न0/2025–26 | दिनांक 23/05/2026

शर्ट के कॉलर पर लगे जिद्दी दागों को साफ करने के लिए अपनाएं ये 5 सुझाव

शर्ट के कॉलर पर अक्सर पसीने और गंदगी के जिद्दी दाग लग जाते हैं, जो आसानी से नहीं हटते। इन दागों के कारण शर्ट की चमक फीकी पड़ जाती है और वह गंदी दिखने लगती है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप अपनी शर्ट के कॉलर को नए जैसा बना सकते हैं और इन दागों को आसानी से हटा सकते हैं। ये तरीके बिना ज्यादा मेहनत के अपनाए जा सकते हैं। बेकिंग सोडा और नींबू का मिश्रण लगाएं बेकिंग सोडा और नींबू का मिश्रण एक बेहतरीन घरेलू उपाय है, जिससे आप शर्ट के कॉलर पर लगे दागों को आसानी से हटा सकते हैं। इसके लिए बेकिंग सोडा में नींबू का रस मिलाकर एक पेस्ट तैयार करें और उसे दाग वाली जगह पर लगाएं। कुछ मिनट बाद इसे हल्के हाथों से रगड़ें और फिर ठंडे पानी से धो लें। इससे दाग आसानी से हट जाएंगे और शर्ट का कॉलर नया जैसा दिखेगा। सिरके और साबुन का मिश्रण आजमाएं सिरके और साबुन का मिश्रण भी शर्ट के कॉलर पर लगे दागों को साफ करने में मदद कर सकता है। इसके लिए एक कपड़े पर साबुन लगाएं, फिर उस पर सिरका डालें और उसे कुछ मिनट छोड़ दें। इसके बाद इसे ब्रश से रगड़कर पानी से धो लें। इससे दाग पूरी तरह हट जाएगा और शर्ट का कॉलर फिर से साफ–सुथरा दिखेगा। यह तरीका न केवल प्रभावी है, बल्कि आपके कपड़ों को भी नया जैसा बनाए रखता है। हाइड्रोजन पेरॉक्साइड का करें इस्तेमाल हाइड्रोजन पेरॉक्साइड एक शक्तिशाली सफाई का साधन है, जो शर्ट के कॉलर से जिद्दी दाग हटाने में मदद कर सकता है। इसके लिए कपड़े पर हाइड्रोजन पेरॉक्साइड लगाएं और कुछ मिनट छोड़ दें, फिर इसे हल्के हाथों से रगड़ें और ठंडे पानी से धो लें। इससे दाग पूरी तरह हट जाएगा और शर्ट का कॉलर फिर से साफ–सुथरा दिखेगा। इस तरीके से आप अपने कपड़ों को नया जैसा बनाए रख सकते हैं। बेकिंग सोडा और पानी का घोल बनाएं

बेकिंग सोडा और पानी का घोल बनाकर उसे दाग वाली जगह पर लगाएं और कुछ मिनट छोड़ दें। इससे दाग नरम हो जाएगा और आसानी से हट जाएगा। इसके बाद इसे हल्के हाथों से रगड़ें और ठंडे पानी से धो लें। इस तरीके से न केवल दाग हटेंगे, बल्कि शर्ट का कॉलर नया जैसा दिखेगा। यह तरीका बहुत ही सरल और प्रभावी है, जिसे आप आसानी से अपना सकते हैं और अपने कपड़ों को साफ–सुथरा रख सकते हैं। डिटर्जेंट और पानी का घोल लगाएं डिटर्जेंट और पानी का घोल भी शर्ट के कॉलर पर लगे दागों को साफ करने में मदद कर सकता है। इसके लिए डिटर्जेंट को पानी में मिलाकर एक घोल तैयार करें, फिर उसे दाग वाली जगह पर लगाकर कुछ मिनट छोड़ दें। इसके बाद इसे हल्के हाथों से रगड़ें और ठंडे पानी से धो लें। इन सरल तरीकों को अपनाकर आप आसानी से अपनी शर्ट के कॉलर को साफ–सुथरा रख सकते हैं।